RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल
साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

वर्ष- 13, अंक - 169 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, गुरूवार 7 अप्रैल 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खैरागढ़ उपचुनाव : नए जिले के वादे ने बनाई कांग्रेस की राह आसान, मुश्किल में भाजपा

श्रीकंचनपथ न्यूज

खैरागढ़। यहां के विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी मजबूत स्थिति में दिख रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा खैरागढ़ छुई खदान व गंडई को मिलाकर नया जिला बनाने का जो वादा किया है, उसका सकारात्मक असर देखने को मिल रहा है। खैरागढ़ विधानसभा क्षेत्र में इसे लेकर अलग ही माहौल है और कांग्रेस के पक्ष में एक तरफा माहौल बन रहा है।

बता दें खैरागढ़ विधानसभा क्षेत्र राज परिवार का गढ़ माना जाता है। यहां हुए पिछले 16 चुनाव में 10 बाहर राज परिवार के लोग विधायक बने हैं। पिछले चुनाव में भी खैरागढ़ के राजा देवव्रत से विधायक चुने गए थे। वे खैरागढ़ से चार बार विधायक चुने गए। बीते वर्ष नवंबर माह में उनके निधन से खैरागढ़ विधानसभा सीट खाली हुई और यहां उपचुनाव की घोषणा की गई। 12 अप्रैल को खैरागढ़ विधानसभा उपचुनाव के लिए मतदान होना है और 16 अप्रैल को नतीजे आएंगे।

इससे पहले कांग्रेस पार्टी ने अपने पत्ते खोल दिए हैं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने यहां से यशोदा वर्मा को अपना प्रत्याशी बनाया है और पूरे विधानसभा क्षेत्र में माहौल इनके पक्ष में दिख रहा है। पिछले दिनों कांग्रेस ने घोषणा पत्र जारी कर खैरागढ़ विधानसभा क्षेत्र के लिए जनहित के कई वादे किए। इसमें सबसे बड़ा वादा यह है कि चुनाव परिणाम आने के बाद खैरागढ़ को नया जिला बनाया जाएगा।

कांग्रेस जीती तो बनेगा नया जिला

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल खैरागढ़ के लिए यह वादा कर चुके हैं कि 16 अप्रैल को यहां कांग्रेस की जीत होगी और 17 अप्रैल को खैरागढ़ जिला बना दिया। जाएगा मुख्यमंत्री के इस घोषणा ने भारतीय जनता पार्टी सहित अन्य सभी प्रत्याशियों की चिंता बढ़ा दी है। भाजपा अब तक कांग्रेस के इस वादे का तोड़ नहीं निकाल पाई है। उल्टे इसके खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास कर खुद का वोट बैंक खराब कर रही है। खैरागढ़ को जिला बनाए जाने के विरोध में भाजपा नेताओं के बयान सामने आ रहे हैं इसे लेकर लोगों में नाराजगी भी है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का मास्टर स्ट्रोक

खैरागढ़ को जिला बनाए जाने की घोषणा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है। यहां पिछले दो-तीन चुनाव में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन वर्तमान में माहौल बदल गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के विकास कार्यों को देखकर यहां के ग्रामीण काफी संतुष्ट हैं और कांग्रेस को भारी जीत दिलाने के पक्ष में है। यही नहीं कांग्रेस पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने के लिए कार्यकर्ता भी जी जान से लगे हुए हैं। बूथ से लेकर ब्लॉक स्तर तक कार्यकर्ता डोर टू डोर जनसंपर्क कर सरकार की योजनाओं को उन तक पहुंचा रहे हैं। जिस प्रकार का माहौल खैरागढ़ में दिख रहा है उससे एक बात तय नजर आ रही है कि इस बार कांग्रेस के प्रत्याशी यशोदा वर्मा को प्रचंड जीत मिलेगी।

भाजपा के खिलाफ लग रहे हैं बैनर

खैरागढ़ विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के खिलाफ कई जगह बैनर भी लगाए जा रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि यह बैनर ग्रामीण लगा रहे हैं। जिसमें खैरागढ़ को जिला बनाए जाने का विरोध करने को लेकर भाजपा के खिलाफ कैप्शन लिखे गए हैं। खैरागढ़ में लगे बैनरों में लिखा गया है कि जिला बनाने का विरोध करने वाले भाजपाइयों का गांव मैं आना मना है। विकास विरोधी भाजपा को गांव में घुसने ना दें। ऐसे ही तरह-तरह के कैप्शन लिखकर बैनर टांगे जा रहे हैं।

खास-खबर

प्रतियोगी परीक्षाओं का शुल्क माफ, अभ्यर्थी बोले- कका अभी जिंदा है

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में जो छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं उनके लिए राज्य सरकार ने बड़ी राहत दी है। अब अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षा के आवेदन के नाम पर कोई शुल्क नहीं देना होगा। इसका एलान खुद राज्य के सीएम भूपेश बघेल ने किया है। इस एलान के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने अभ्यर्थियों में खुशी का माहौल है। एक अभ्यर्थी ने कहा कि पहले परीक्षा के आवेदन के लिए जेब देखनी पड़ती थी लेकिन अब परीक्षा आवेदन में कोई शुल्क न जमा होने पर काफी राहत मिलेगी। बता दें कि विशेष कनिष्ठ कर्मचारी चयन बोर्ड की परीक्षा में फीस माफी की मांग को लेकर बीते मंगलवार को ही एनएसयूआई के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुलाकात की थी। इसके बाद सीएम बघेल ने तत्काल परीक्षा शुक्ल माफ करन की घोषणा कर दी। इस खबर के बाद युवाओं में खुशी का माहौल है और प्रतियोगी परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों ने फिल्म टाइगर अभी जिंदा है के तर्ज पर छत्तीसगढ़ी भाषा में 'कका अभी जिंदा है' के नारे लगाए।

बजट सत्र का समापन: पीएम मोदी ने विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं से की मुलाकात, मुलायम और फारूक अब्दुल्ला भी थे मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का बजट सत्र आज अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। इसके साथ ही लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही भी अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गई। बता दें कि, संसद का बजट सत्र 31 जनवरी को शुरू हुआ था और यह दो चरणों में आयोजित किया गया था। पहले चरण के तहत, संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही, राष्ट्रपति के अभिभाषण के साथ 31 जनवरी को शुरू हुआ था, जो 11 फरवरी तक चला था। वहीं बजट सत्र का दूसरा चरण 14 मार्च से शुरू हुआ था और निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इसे 8 अप्रैल तक चलाया जाना था लेकिन अब बजट सत्र का समापन एक दिन पहले गुरुवार को ही कर दिया गया।

संसद के बजट सत्र के समापन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेशनल कांफ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, समाजवादी पार्टी के मुलायम सिंह यादव और अन्य नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी मौजूद थे।

जल संकट: आधे शहर में पानी के लिए मचा त्राहिमाम 77 एमएलडी फिल्टर का वाल्व हुआ क्षतिग्रस्त

पावर पंप, हैंडपंप व टैंकर से हुई जल आपूर्ति

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इस भीषण गर्मी के मौसम में गुरूवार सुबह भिलाई नगर निगम के कुछ क्षेत्रों में लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ा। यह समस्या बुधवार देर शाम बटालियन के सामने एयर वाल्व क्षतिग्रस्त होने से हुई है। पेयजल संकट और न गहराए इसे देखते हुए महापौर ने अधिकारियों को जल्द समस्या सुलझाने के निर्देश दिए हैं। वहीं निगम आयुक्त भी मौके पर पहुंचे और समस्या का दूर करने अधिकारियों को निर्देश दिए।

निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने कहा कि निगम प्रशासन लोगों को पेयजल संकट नहीं होने देगा। जब तक पेयजल सप्लाई दोबारा सही नहीं होती प्रभावित क्षेत्रों में पावर पंप, हैंडपंप तथा टैंकर से पानी पहुंचाया जाएगा। निगम आयुक्त ने जल विभाग के अधिकारियों से समस्या के बारे में पूरी जानकारी ली और समस्या को जल्द से जल्द सुलझाने के निर्देश दिए। वर्तमान में जल विभाग की टीम मुस्तैदी से मरम्मत के कार्य में जुटी हुई है।

ऐसा कहा जा रहा है कि जिस तेजी से मरम्मत का कार्य किया जा रहा है उससे एयर वाल्व जल्द में ही लग जाएगा। ऐसा हुआ तो एयर वाल्व फटने से पहले जिन पानी की टंकियों में सप्लाई हो चुकी, उनसे पेयजल सप्लाई सुबह शुरू कर दी जाएगी। कई क्षेत्र ऐसे भी हैं, जहां लगभग एक लाख से अधिक आबादी को जल संकट का सामना करना पड़ेगा।

तो पूरे शहर में होता जल संकट

निगम अधिकारियों का कहना है कि अगर उनके पास 66 एमएलडी फिल्टर प्लांट नहीं होता तो पूरे शहर की पानी सप्लाई प्रभावित हो सकती थी। 66 एमएलडी से 9 टंकियों में पानी सप्लाई होती है। 66 एमएलडी फिल्टर प्लांट से नेहरू नगर, स्मृति नगर, फरीदनगर, खमरिया, कोहका दो, रुआबांधा, रिसाली, मरोदा एवं नेवई क्षेत्र की पानी टंकियों में पानी भरा जाता है।

इन क्षेत्रों में रही जल संकट की समस्या

जिन क्षेत्रों में सुबह से रही जल संकट की समस्या उनमें छावनी, वैशाली नगर, चंद्रा मौर्या, मदर टैरेसा नगर और खुर्सीपार के क्षेत्र शामिल हैं। इसके अलावा ऐसी संभावना जताई गई है कि गौतम नगर, कोहका, कुरुद और हाउसिंग बोर्ड के क्षेत्रों में पानी की सप्लाई बाधित रह सकती है। इन सभी क्षेत्रों की कनेक्टिविटी 77 एमएलडी फिल्टर प्लांट से है।

पाइप लाइन से निकालना होगा पानी

बटालियन के सामने एयर वाल्व फट जाने के कारण पाइप लाइन में पानी लीकेज की समस्या हुई। इस बात की जैसे ही निगम अधिकारियों हुई उन्होंने टंकियों से पानी सप्लाई को रोक दिया। इसके बाद निगम ने डिवाटरिंग का काम शुरू किया। इसके बाद पाइप लाइन से पूरा पानी निकाला जाएगा। इसके बाद एयर वाल्व लगाने का कार्य किया जाएगा। पाइप लाइन से पानी निकालने के लिए अधिक समय लगता है। इसलिए गुरूवार को पेयजल सप्लाई बाधित रही।

रोचक हो रही खैरागढ़ उपचुनाव की लड़ाई, प्रचार में पहुंचे केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल, कहा-जीत सुनिश्चित

श्रीकंचनपथ न्यूज

खैरागढ़। खैरागढ़ उपचुनाव में जीत के लिए कांग्रेस, मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी और जनता कांग्रेस ने अपनी ताकत झोंक दी है। इसी सिलसिले में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने बुधवार को पार्टी के उम्मीदवार कोमल जंघेल के पक्ष में दो दिवसीय प्रचार अभियान की शुरुआत की। कांग्रेस ने इस सीट से महिला उम्मीदवार यशोदा वर्मा को चुनाव मैदान में उतारा है जबकि नरेंद्र सोनी जनता कांग्रेस के उम्मीदवार हैं। केंद्रीय मंत्री पटेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में सत्ताधारी कांग्रेस ने साढ़े तीन वर्ष के दौरान कोई भी ऐसा काम नहीं किया है जिसके आधार पर वह खैरागढ़ उपचुनाव में वोट मांग सके। राज्य के नक्सल प्रभावित राजनांदगांव जिले की खैरागढ़ विधानसभा सीट के लिए 12 अप्रैल को उपचुनाव होगा।

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पटेल ने विधानसभा क्षेत्र के अमलीडीहकला गांव में अपने प्रचार अभियान के दौरान मीडिया से बात की। पटेल ने कहा, 'मैं यह मानता हूं कि इस चुनाव में साढ़े तीन साल में कांग्रेस की भूपेश सरकार की जो विफलताएं है उसका पैमाना तय होगा।' पटेल ने भाजपा प्रत्याशी की जीत पर भरोसा जताया और कहा, 'हमारा उम्मीदवार अनुभवी, ईमानदार, सहज, सरल और निष्ठावान कार्यकर्ता हैं। उनको जीत मिलेगी और हम चौकीदार की तरह बेहतर काम करके दिखाएंगे।' उन्होंने कहा कि इन साढ़े तीन वर्षों में ऐसा कोई भी काम कांग्रेस ने नहीं किया जिस आधार पर वह यहां वोट मांग पाएगी।

राज्य को दीवालिया बनाने पर अमादा कांग्रेस

उपचुनाव में खैरागढ़ को जिला घोषित करने के वादे के लिए कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए पटेल ने कहा कि साढ़े तीन वर्ष मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को खैरागढ़ को जिला बनाने के लिए किसने रोका था। उन्होंने कहा कि खैरागढ़ को जिला बनना चाहिए, लेकिन यह घोषणा भयभीत होकर की गई है। संवाददाताओं ने पटेल से सवाल किया कि कांग्रेस नेताओं ने कहा है कि राज्य में किसानों को धान बेचने पर 2500 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहा है, उन्हें आने वाले दिनों में 2800 रुपये मिल सकता है तब उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि कांग्रेस राज्य को दिवालिया बनाने पर आमादा है।'

कांग्रेस ने किया पलटवार

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा है कि केंद्रीय मंत्री पटेल का 2500 रुपये में धान खरीदी पर आपत्ति भाजपा का किसान विरोधी चेहरा है। ठाकुर ने एक विज्ञप्ति में कहा है कि केंद्रीय मंत्री पटेल ने किसानों को धान की कीमत 2500 रुपये देने पर छत्तीसगढ़ के आर्थिक दिवालिया होने के संबंध में बयान दिया है, इस इस बयान से उन्होंने मोदी सरकार और भाजपा के किसान विरोधी नीति और चरित्र को ही खैरागढ़ की जनता के सामने रखा है।

कूटनीति: रूस से क्या हासिल कर रहा भारत, तेल और हथियार के क्षेत्र में निर्भरता बढ़ी या कम हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में भारत के रुख की चर्चा हो रही है। जहां एक तरफ रूस ने स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय नीति के लिए भारत की तारीफ की है, तो वहीं अमेरिका समेत यूरोपीय देशों ने भारत और रूस के बीच रिश्तों की समीक्षा की मांग की है। हालांकि, इस बीच अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आखिर युद्ध के बीच रूस से व्यापार में भारत की निर्भरता कितनी बढ़ी या कम हुई है। खासकर हथियार और तेल के सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद भारत ने क्या कदम उठाए हैं।

संपादकीय

रोकिए नरसंहार

युद्ध से त्रासद खबरों का आना बेरोक जारी है। अमानवीयता की बदतर तस्वीरें सामने आने लगी हैं। यूक्रेन के बुका में जैसे नरसंहार के संकेत मिले हैं, उससे पूरी दुनिया में चिंता की लहर दौड़ गई है। भारत ने पहली बार पूरी दृढ़ता से हिंसा की निंदा की है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को यूक्रेन की स्थिति पर लोकसभा में बताया कि भारत इस संघर्ष के पूरी तरह खिलाफहै और तत्काल हिंसा खत्म करने के पक्ष में है। अब तक भारत से यह सवाल बार-बार पूछा जा रहा था कि वह किसके साथ है, इस सवाल का जवाब देते हुए भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने यदि कोई पक्ष चुना है, तो वह शांति का पक्ष है। लोकसभा में जयशंकर ने कहा कि भारत का रुख राष्ट्रीय विश्वास एवं मूल्यों, राष्ट्रीय हितों और राष्ट्रीय रणनीति के तहत निर्देशित है। हिंसा व बेगुनाहों के जीवन की कीमत पर कोई समाधान नहीं निकल सकता। संवाद और राजनय ही एकमात्र उपाय है। भारत का यह रुख स्वागतयोग्य है। युद्ध के विरुद्ध और शांति के पक्ष में भारतीय नेताओं को लगातार अपने विचार दुनिया के सामने रखने पड़ेंगे। दुनिया में कतई यह संदेश नहीं जाना चाहिए कि भारत युद्ध या हमले के पक्ष में है।

> तबाही रोकने की हरसंभव कोशिश भारत को करनी चाहिए। क्या रूस और यूक्रेन के बीच कोई समझौता संभव है? क्या भारत दोनों देशों को एक मंच पर ला सकता है? अगर इस दिशा में भारत को कामयाबी मिलती है, तो यह खुद भारत के हित में होगा। वरना गौर से गिन लीजिए, एक-एक कर अनेक देशों की स्थिति बिगड़ने लगी है।

बुका में अगर नरसंहार की खबरें सही हैं, तो इसकी स्वतंत्र जांच के पक्ष में भारत खड़ा हो गया है। यह भारत के रुख में एक बड़ा बदलाव है। हालांकि, हमें सावधान रहना चाहिए, क्योंकि असत्य या दुष्प्रचार के सहारे भी निर्मम युद्ध या हमले हम देख चुके हैं। युद्ध में शामिल ताकतें अपने पक्ष को मजबूत करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। अत: युद्ध क्षेत्र से आने वाली खबरों को अच्छी तरह से परखते हुए ही चलना चाहिए। अगर भारत युद्ध को रोकने की स्थिति में है, तो उसे अपनी भूमिका से हिचकना नहीं चाहिए। युद्ध के समय सच को सच और झूठ को झूठ कहने और मानवीयता का पक्ष मजबूत करने का काम भारत सरकार बेहतर कर सकती है। रूस ने अगर आम लोगों को जान-बूझकर निशाना बनाना शुरू कर दिया है, तो उसकी निंदा जरूर होनी चाहिए। किसी भी युद्ध को जल्दी जीतने के लिए निर्मम सैन्य कमांडर यह रणनीति अपनाते हैं, लेकिन यह कभी नहीं भूलना चाहिए, युद्ध के समय निहत्थों को निशाना बनाना मूलत: कायरता है। ऐसी निंदनीय कायरता से कथित शक्तिशाली देशों को बाज आना चाहिए।

भारतीय विदेश मंत्री ने बिल्कुल सही कहा है कि सभी देशों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनों, सभी की क्षेत्रीय अखंडता एवं संप्रभुता का सम्मान करना चाहिए। चालीस दिन से युद्ध जारी है, किसको क्या हासिल हुआ है? सोच लेना चाहिए। रूस अपने घाव छिपा रहा है, लेकिन कहीं ऐसा न हो कि इन घावों को ठीक करने में रूस को कई दशक लग जाएं। यह हमारी दुनिया का दुर्भाग्य है कि इराक, अफ़ग़ानिस्तान से सबक सीखने के बाद जब अमेरिका सैन्य हस्तक्षेप से बच रहा है, तब यूक्रेन में रूसी दुस्साहस ने पूरी दुनिया को विचलित कर रखा है। यूक्रेन से बच्चे भाग रहे हैं, लोग भाग रहे हैं, दुनिया का एक बड़ा हिस्सा तबाह हो रहा है। तबाही रोकने की हरसंभव कोशिश भारत को करनी चाहिए। क्या रूस और यूक्रेन के बीच कोई समझौता संभव है? क्या भारत दोनों देशों को एक मंच पर ला सकता है? अगर इस दिशा में भारत को कामयाबी मिलती है, तो यह खुद भारत के हित में होगा। वरना गौर से गिन लीजिए, एक-एक कर अनेक देशों की स्थिति बिगड़ने लगी है।

पाकिस्तानः गरीबी में आटा गीला

इमरान खान ने वही किया, जिसकी संभावना इस लेख में परसों व्यक्त की गई थी। उन्होंने विपक्षियों द्वारा लाया हुआ अविश्वास प्रस्ताव रद्द करवा दिया, राष्ट्रीय सभा (संसद) भंग करवा दी और चुनावों की घोषणा करवा दी। अब पाकिस्तान के चुनाव 90 दिन बाद होंगे, ऐसा मानकर चला जा सकता है। इमरान ठीक कहते थे कि उन्होंने बाजी हारी नहीं है। उनके पास एक तुरुप का पत्ता है। अब वह उन्होंने चल दिया है। उनके खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में कई याचिका दायर हो जाएंगी। लेकिन अदालत अब क्या कर सकती है? संसद के उपाध्यक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव को रद्द कर दिया और राष्ट्रपति ने संसद को भंग करके चुनाव की घोषणा कर दी है। ऐसे में यदि फौज उल्टा रास्ता पकड़ ले तो ही इमरान की गाड़ी उलट सकती है। पाकिस्तान की असली मालिक फौज ही है। फौज चाहे तो राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, संसद, सरकार और न्यायपालिका सभी को भंग कर सकती है लेकिन फौज इतनी हिम्मत करेगी, इसमें मुझे संदेह है, क्योंकि सेनापति क़मर बाजवा सर्वशक्तिशाली व्यक्ति होते हुए भी मर्यादित बर्ताव करते हैं। उन्होंने कल ही एक समारोह में कहा कि वे कश्मीर की समस्या का हल बातचीत से करना चाहते हैं।

यदि भारत तैयार हो तो वे देरी नहीं करेंगे। इमरान के सवाल पर वे जो चाहते हैं, वह तो हो ही रहा है। अब इमरान कार्यवाहक प्रधानमंत्री भर रह गए हैं। कई मुद्दों पर फैसले लेने के अधिकार से वे वंचित हो गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के नौजवानों के नाम संदेश जारी करके कहा था कि वे लाखों की संख्या में इकट्ठे होकर संसद को घेर लें। विपक्षियों का आरोप है कि वे विरोधी दलों के सांसदों को संसद भवन में घुसने ही नहीं देना चाहते थे। लेकिन इमरान को अब संसद घेरने की जरुरत ही नहीं पड़ी है। उनके एक मंत्री का दावा है कि विपक्ष के लोग इमरान की हत्या करवाना चाहते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि पाकिस्तान की जनता अगले चुनाव में दल-बदलुओं और विपक्ष के अनैतिक गठबंधन को हराकर ही दम लेगी।

वेद प्रताप वैदिक

> हम चाहें, तो बिजली की खपत घटाकर, अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से परहेज करके, तंबाकू उत्पादन और इसका सेवन बंद करके, प्लास्टिक का इस्तेमाल कम करके व रीसाइकिल योग्य बैग का उपयोग करके भी स्वस्थ धरती बनाने में अपना योगदान दे सकते हैं। साफ है, विश्व स्वास्थ्य दिवस हमें महामारी से सफलतापूर्वक और हरित तरीके से उबरने का विशेष मौका दे रहा है। हमें स्वास्थ्य-उन्मुख समाज बनाने की दिशा में आज ही जुटना होगा, क्योंकि हर एक दिन की भी देरी से शायद बहुत देर न हो जाए।

अपनी धरती और सेहत के लिए

चंद्रकांत लहारिया,जन नीति और स्वास्थ्य तंत्र विशेषज्ञ

हर गुजरते दिन के साथ दुनिया में नई बीमारियों के फैलने और अगली महामारी के उभरने की आशंका बढ़ती जाती है। ऐसा होने के पीछे कई कारण हैं। वनों की कटाई और जंगलों में बढ़ते इंसानी दखल के कारण नए-नए रोगाणु मानव के संपर्क में आने लगे हैं। रोगाणु वैश्विक गरमी (ग्लोबल वार्मिंग) और बढ़ते तापमान के कारण नई परिस्थितियों और जगहों में भी ढलने लगे हैं। नतीजतन, पिछले कुछ दशकों में कई नई बीमारियां उभरी हैं। साथ ही, हवाई यात्राओं के कारण 24 घंटे से भी कम समय में संक्रमण का प्रसार दुनिया के एक से दूसरे हिस्से में होने लगा है। इन सबमें शहरों में बढ़ती भीड़ और सघन बसावट भी कमजोरी साबित होती हैं।

लोगों की सेहत चरम मौसमी घटनाएं, भूमि क्षरण और सूखे के कारण होने वाले विस्थापन से भी प्रभावित हो रही है। न सिर्फ सागरों की गहराइयों में प्रदूषक और प्लास्टिक मिलने लगे हैं, बल्कि पर्वतों के ऊंचे शिखर भी इससे अछूते नहीं हैं। इन्होंने हमारी खाद्य शृंखला में सेंध लगा दी है। अत्यधिक प्रसंस्कृत उत्पाद और 'जंक' कहे जाने वाले खाद्य व पेय पदार्थ हमें मोटापे की सौगात दे रहे हैं, जिससे कैंसर और हृदयाघात जैसी बीमारियां बढ़ गई हैं। एंटीमाइक्रोबायल्स (एंटीबायोटिक्स और एंटीवायरल) के बेरोक-टोक उपयोग से पूर्व में प्रभावी रहे एंटीबायोटिक्स अब बेअसर साबित होने लगे हैं। इस रफ्तार से नए एंटीबायोटिक्स की खोज नहीं हो रही है।

इन तमाम पहलुओं का इंसान और धरती की सेहत पर गंभीर असर पड़ रहा है। अनुमान है कि साल 2030 से 2050 के बीच जलवायु परिवर्तन के कारण कुपोषण, मलेरिया, डायरिया और बेहिसाब गरमी से दुनिया भर में सालाना 2.5 लाख अतिरिक्त लोगों की अकाल मौत हो सकती है। जलवायु परिवर्तन की वजह से बढ़ते तापमान और बाढ़ से डेंगू जैसी वेक्टर-जनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। अभी दुनिया में हर दस में से नौ लोग दूषित हवा में सांस ले रहे हैं। करीब 24 फीसदी वैश्विक मौत प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से दूषित आबोहवा से होती है। वायु प्रदूषण तो फेफड़ों के कैंसर, हृदय रोग और मस्तिष्काघात के कारण हर मिनट में 13 लोगों की जान लेता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का आकलन है कि दुनिया भर में हर साल लगभग 1.3 करोड़ लोग उन पर्यावरणीय कारकों से मर रहे हैं, जिनसे बचा जा सकता है।

अध्ययन बताते हैं कि विश्व भर में 3.6 अरब लोगों के पास सुरक्षित शौचालय नहीं है। अनुपचारित मानव मल पारिस्थितिक तंत्र और मानव स्वास्थ्य को बिगाड़ देता है। दुनिया में करीब दो अरब लोगों को सुरक्षित पेयजल नहीं मिलता। दूषित पानी और गंदगी की वजह से हर साल लगभग आठ लाख लोग डायरिया से मर जाते हैं। इसी तरह, तंबाकू हर साल 80 लाख लोगों की जान लेता है। यह कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियों का एक प्रमुख कारक है। हर साल 60 करोड़ पेड़ सिर्फ इसलिए काट दिए जाते हैं, ताकि 60 खरब सिगरेट बनाए जा सकें। जाहिर है, साफ हवा की राह में यह एक बड़ी रुकावट है। अगर सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों को पर्यावरण-हितैषी बनाया जाए, तो हवा की गुणवत्ता सुधर सकती है। सीवेज, अवशिष्ट पदार्थ और जहरीले रसायनों को हमारी झीलों, नदियों और भूजल में प्रवेश करने से रोककर हम अपने जल स्रोतों की रक्षा कर सकते हैं।

ये सभी बिंदु बताते हैं कि मानव, पशु और स्वच्छ आबोहवा किस तरह परस्पर जुड़े हुए हैं। इसी के कारण पिछले दशक में 'एक स्वास्थ्य' की सोच उभरी है। इस अंतर्संबंध का सबसे बड़ा व ज्वलंत प्रमाण तो कोरोना महामारी है, जिसने पूरी दुनिया में उथल—पुथल मचा रखी है। यानी, हमें अपने परिवेश का हर हाल में ध्यान रखना ही होगा। इस लिहाज से देखें, तो विश्व स्वास्थ्य दिवस, 2022 की थीम 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य' समय के अनुकूल है। यह थीम इंसानों व धरती को सेहतमंद रखने और स्वस्थ समाज बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जाने की आवश्यकता पर जोर डालती है। मौजूदा कोरोना महामारी ने सतत स्वास्थ्य की जरूरत बताई है, इसलिए पर्यावरण से छेड़छाड़ किए बिना अपनी व अगली पीढ़ियों के लिए बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रतिबद्ध होना आज की बड़ी जरूरत है।

निश्चय ही, हम सब मिलकर इनमें से कई चुनौतियों से पार पा सकते हैं और अगली महामारी को आगे धकेल सकते हैं। इसके लिए हमें ऐसे प्रयास करने होंगे कि जंगलों और जानवरों से वायरस का फैलाव इंसानों में न हो। समझना होगा कि जब कृषि कार्य या अंधाधुंध विकास के नाम पर वनों की कटाई की जाती है, तो माइक्रोब्स आसानी से इंसानों के संपर्क में आ जाते हैं। सरकारों को सुनिश्चित करना होगा कि विकास के नाम पर प्रकृति का नुकसान न हो। सरकारों को खाना पकाने और रोशनी के लिए स्वच्छ ऊर्जा की व्यवस्था को प्राथमिकता देनी चाहिए। सुरक्षित और किफायती सार्वजनिक परिवहन प्रणाली तैयार करने, पैदल चलने योग्य या साइकिल के अनुकूल फुटपाथ बनाने और वाहन उत्सर्जन रोकने के उच्च मापदंड अपनाने की भी जरूरत है। ऊर्जा-किफायती आवास व बिजली उत्पादन में निवेश करने, औद्योगिक व नगरीय कचरे के निपटान में सुधार लाने, पराली जलाने पर लगाम लगाने और कृषि वानिकी से जुड़ी गतिविधियों को सीमित करने की भी सख्त दरकार है।

इन कामों में समाज का हर व्यक्ति सहयोग दे सकता है। कार पूल को बढ़ावा देकर और हरसंभव सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करके हम ऐसा कर सकते हैं। हम चाहें, तो बिजली की खपत घटाकर, अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से परहेज करके, तंबाकू उत्पादन और इसका सेवन बंद करके, प्लास्टिक का इस्तेमाल कम करके व रीसाइकिल योग्य बैग का उपयोग करके भी स्वस्थ धरती बनाने में अपना योगदान दे सकते हैं। साफहै, विश्व स्वास्थ्य दिवस हमें महामारी से सफलतापूर्वक और हरित तरीके से उबरने का विशेष मौका दे रहा है। हमें स्वास्थ्य-उन्मुख समाज बनाने की दिशा में आज ही जुटना होगा, क्योंकि हर एक दिन की भी देरी से शायद बहुत देर न हो जाए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीलंका की भारी गिरावट से भारत के लिए सबक

अजीत रानाडे,अर्थशास्त्री

देश के बिगड़ते आर्थिक संकट से निपटने में असमर्थता जताते हुए इस सप्ताह श्रीलंका की पूरी कैबिनेट ने इस्तीफा दे दिया। यह श्रीलंका का अब तक का सबसे खराब आर्थिक संकट है। महामारी ने पर्यटन राजस्व को भी गंभीर रूप से प्रभावित किया है। साल 2019 से पहले 80 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था में पर्यटन का हिस्सा सालाना लगभग चार अरब डॉलर था। यहां तक कि बाहर से अपने लोगों द्वारा भेजा जाने वाला पैसा भी बहुत घटा है। पैसों की यह आवक महामारी से पहले लगभग सात अरब डॉलर थी, लेकिन अब घटकर आधी से भी कम रह गई है। पर्यटन और बाहर से धन की आवक इस द्वीप की अर्थव्यवस्था के शीर्ष तीन विदेशी मुद्रा अर्जक में से दो हैं। कमाई का तीसरा क्षेत्र वस्त्र निर्यात है, यह भी महामारी के दौरान प्रभावित हुआ है। एक महत्वपूर्ण विदेशी मुद्रा अर्जक चाय भी है, जिसका उत्पादन रासायनिक उर्वरकों के उपयोग (और आयात) पर प्रतिबंध के चलते घट गया है। राष्ट्रपति ने उस प्रतिबंध को प्रकृति के अनुकूल और जैविक खेती के लिए सही बताया था, लेकिन वास्तव में यह भी कीमती विदेशी मुद्रा को बाहर जाने से बचाने के लिए किया गया एक हताश उपाय था। उर्वरक पर लगे प्रतिबंध ने भी चावल के उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव डाला, जिससे श्रीलंका को पहली बार चावल का आयात करना पड़ा।

मानो पर्यटन, धन आवक, वस्त्र और चाय उद्योग पर पड़ी भारी मार पर्याप्त नहीं थी, अंतिम झटका कच्चे तेल की कीमतों से लगा। श्रीलंका को परिवहन और ऊर्जा के लिए तेल आयात करना पड़ता है। यूक्रेन युद्ध की वजह से कीमतों में हुई बढ़ोतरी ने हालात को और खराब कर दिया। यह भोजन और ईंधन की कमी से उपजा संकट है। वित्तीय घाटे नियंत्रण से बाहर हो गए, क्योंकि घरेलू व विदेशी, दोनों तरह के कर्ज बढ़ते रहे। श्रीलंका ने सॉवरेन डॉलर बॉन्ड जारी करने का जोखिम भरा रास्ता अपनाया था और 2007 के बाद से अकेले डॉलर-बॉन्ड ऋण लगभग 12 अरब डॉलर का हो गया है, इसमें से 4.5 अरब डॉलर का भुगतान इस साल किया जाना है। लेकिन देश का विदेशी मुद्रा भंडार सिर्फदो अरब डॉलर के आसपास बचा है। सामान्य हालात में श्रीलंका पुराने कर्ज चुकाने के लिए नए कर्ज जुटा लेता, लेकिन आज कोई भी विदेशी ऋणदाता श्रीलंका से स्वेच्छा से संपर्क नहीं करेगा। आज श्रीलंका में दोहरा वित्तीय घाटा दिख रहा है, अभी 19 प्रतिशत से अधिक की मुद्रास्फीति दर है और लंबे समय से देश भर में बिजली और ईंधन की कमी बनी हुई है। श्रीलंका दिवालिया होने के मुहाने पर पहुंच गया है।

फ्लोटिंग सॉवरेन डॉलर बॉन्ड्स द्वारा विदेशी मुद्रा जुटाने का रास्ता मोहक तो है, पर यह उल्टा भी पड़ सकता है। श्रीलंका पहला देश नहीं है, जिसे विदेशी बांड निवेशकों ने अधर में छोड़ दिया है। भारत की भी एक ऐसी ही योजना है, तो सतर्क हो जाना चाहिए। इस बीच श्रीलंका ने सोशल मीडिया और समाचार प्रसार पर कई प्रतिबंध लगाए हैं। शेयर बाजार और मुद्रा में तेजी से गिरावट आई है। अशांति चल रही है, इसलिए पुलिस कार्रवाई मजबूरी लग रही है।

श्रीलंका की कमियों को देखना चाहिए। साल 2019 में नव-निर्वाचित सरकार ने लोक-लुभावन कर कटौती की थी। मूल्य वर्धित कर को आधा कर दिया था और पूंजीगत लाभ कर को समाप्त कर दिया था। अभी श्रीलंका के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और वित्त व कृषि मंत्री, सभी भाई हैं। एक भतीजे के पास खेल विभाग है। भोजन और ईंधन के मद में पड़ोसी भारत से आपातकालीन सहायता मिल रही है। चीन पहले ही श्रीलंका को बहुत कर्ज दे चुका है, वह चाहे, तो उसे कुछ राहत दे सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने भारतीय अधिकारियों ने श्रीलंका के आर्थिक संकट पर प्रकाश डाला है। अधिकारी भारत के कुछ राज्यों, जैसे पंजाब, बंगाल, दिल्ली, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश को लेकर सचेत हैं, इन राज्यों में बजट से बहुत कुछ मुफ्त लोगों को दिया जा रहा है। कड़ी मेहनत से किए गए आर्थिक सुधारों के अब पटरी से उतरने का खतरा है। कुछ राज्य 2005 की राष्ट्रीय पेंशन योजना को पलटने लगे हैं, इससे राज्य सरकारों पर खर्च बहुत बढ़ने वाला है। वन रैंक वन पेंशन योजना के कारण पेंशन भुगतान केवल छह वर्षों में दोगुने से भी ज्यादा हो गया है। अभी मुफ्त अन्न योजना का जो विस्तार किया गया है, उससे भी एक बार में खर्च 80,000 करोड़ रुपये बढ़ गया है। लोक-लुभावन योजनाओं की ओर भारत का झुकाव राज्य और केंद्र, दोनों स्तरों पर देखा जा सकता है। हम इस तरह के लोक-लुभावनवाद को बहुत समय तक बर्दाश्त कर सकते हैं, यह देखा जाना बाकी है। इसलिए हमारे लिए श्रीलंका जैसी छोटी अर्थव्यवस्था से भी सबक लेना प्रासंगिक है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

ज्ञान को निगेटिव ऊर्जा में खत्म नहीं करो, नहीं तो तुम खुद ही खत्म हो जाओगे।

-अंजली जैन

7024460938

भारत और श्रीलंका का फर्क

अजीत द्विवेदी

भारत सरकार के कुछ सचिवों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक मीटिंग में इस बात पर चिंता जताई है कि राज्यों में सरकारों द्वारा मुफ्त बांटने की नीतियों से अर्थव्यवस्था की सेहत प्रभावित हो सकती है। सचिवों ने संभवत: यह भी कहा कि इस तरह की योजनाएं राज्यों को श्रीलंका के रास्ते पर ले जा सकती है। पता नहीं सचिवों ने किस आधार पर ऐसी आशंका जताई और किस आधार पर देश के अर्थशास्त्री भी इन चिंताओं को स्वर दे रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि उन्होंने भारत और श्रीलंका के आर्थिक मॉडल का तुलनात्मक अध्ययन नहीं किया है। दोनों देशों की आर्थिक नीतियों का मॉडल एक-दूसरे से बिल्कुल भिन्न हैं। हालांकि इसका यह मतलब नहीं है कि भारत की अर्थव्यवस्था की स्थिति खराब नहीं है। भारत की स्थिति भी बहुत खराब है लेकिन उन कारणों से कतई नहीं, जिन कारणों से श्रीलंका की खराब हुई है।

इसे समझने के लिए दोनों देशों की आर्थिक नीतियों के मॉडल के फर्क को समझने की जरूरत है। श्रीलंका का मॉडल पिछले 20 साल से रोजगार पैदा करने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास पर आधारित था। उसका मॉडल लोगों को कर व शुल्क से राहत देने पर आधारित था। उसका मॉडल कृषि में बुनियादी बदलाव के विचार पर आधारित था। इसके उलट भारत का मॉडल न तो रोजगार के अवसर पैदा करने वाले बुनियादी ढांचे के विकास पर आधारित है और न भारत के नागरिकों को कर या शुल्क से राहत देने के मॉडल पर आधारित है। यह बात उन लोगों को समझ में नहीं आएगी, जो श्रीलंका की सारी समस्याओं के लिए चीन को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। चीन की कर्ज देकर गुलाम बनानी की कूटनीति श्रीलंका के संकट का सिर्फ एक कारण है। बाकी कारण उसके अपने हैं।

असल में श्रीलंका में 2019 के आखिर में संसदीय चुनाव हुए थे, जिसमें राजपक्षे बंधुओं ने वादा किया था उनकी सरकार बनी तो वे कर और शुल्क में कटौती करेंगे। उस समय उन्होंने या किसी ने नहीं सोचा था कि कोरोना की जो आहट सुनाई दे रही है वह मार्च 2020 आते आते महामारी में बदलेगी। सो, उन्होंने नवंबर 2019 में सरकार बनने के बाद लोगों को कर से बड़ी राहत दी। सरकार ने कैपिटल गेन टैक्स, बैंक डेबिट टैक्स, विदहोल्डिंग टैक्स और यहां तक कि वैट में भी शुल्क घटा कर 15 से आठ फीसदी कर दिया। यानी टैक्स पर करीब 50 फीसदी की कटौती की गई। यह लोगों को बड़ी राहत देने वाली बात थी। लेकिन टैक्स छूट देने के तीन महीने बाद ही दुनिया कोरोना के दुष्चक्र में फंस गई।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

भाजपा ने जारी किया आरोप पत्र, भूपेश के पास बताने को कुछ नहीं - डॉ रमन सिंह

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने खैरागढ़ उप चुनाव का आरोप पत्र जारी किया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल खैरागढ़ के कथित कागजी विकास की तस्वीर को पेश कर रहे हैं उनके पास खैरागढ़ के विकास को बताने के लिए कुछ भी नहीं है। जिस घोषणापत्र की बात कर रहे हैं वह काल्पनिक है। उन्होंने हमेशा खैरागढ़ की उपेक्षा की है। इन 36 महीनों में विकास के नाम पर कोई काम नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि विकास विरोधी भूपेश बघेल को खैरागढ़ की जनता करारा जवाब देगी। हर मोर्चे पर असफल खैरागढ़ चुनाव को लेकर भूपेश बघेल ने एक आंतरिक सर्वे कराया था जिसमें वह भाजपा से बड़े अंतर से पराजित हो रहे हैं।उनके चेहरे में निराशा साफदेखी जा सकती है। हमने खैरागढ़ के विकास के लिए 36 महत्वपूर्ण कार्य किए हैं जिसमे कि छुईखदान से बकरकट्टा तक रोड का 40 करोड़ की लागत से निर्माण । खैरागढ़ से जालबांधा तक 21 किलोमीटर सड़क चौड़ीकरण, खैरागढ़-अतरिया मुख्य मार्ग का कार्य 60 करोड़ की लागत से, 7 करोड़ की लागत से गंडई से दनिया तक सड़क चौड़ीकरण, छुई खदान से उदयपुर सड़क का निर्माण, आमनेर नदी में 1 करोड़ का सेतु निर्माण, जालबांधा मार्ग का निर्माण करवाया, खैरागढ़ क्षेत्र में सड़क निर्माण, सिंचाई की व्यवस्था खैरागढ़ महोत्सव की शुरुआत करके सांस्कृतिक पहचान दिलाया, खैरागढ़ को नगर पालिका का दर्जा दिया, छुईखदान में कृषि माहविद्यालय की स्थापना किया, व्यवहार न्यायालय की शुरुआत किया, गंडई में रजिस्ट्री कार्यालय बनवाया, एसडीओपी कार्यालय की शुरूआत किया।

छत्तीसगढ़ मॉडल को सराहा अखिल भारत कृषि गौ सेवा संघ के प्रतिनिधि मंडल ने

रायपुर, महासमुंद और गरियाबंद जिले में गौठान ,नरवा विकास, महिला समूह की आय मूलक गतिविधियों को देखा

कल्पतरू मल्टी यूटिलिटी सेंटर सेरी खेड़ी में महिलाओं द्वारा तैयार हर्बल उत्पाद, मधुबन एवं बस्तर आर्ट पेंटिंग, बेकरी आइटम और आर.ओ. बाटलिंग प्लांट का किया अवलोकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भूपेश सरकार के छत्तीसगढ़ मॉडल को देखने और समझने के लिए आज अखिल भारत कृषि गौ सेवा संघ के प्रख्यात गांधीवादी और कार्यकारी सदस्यों के एक प्रतिनिधिमंडल ने रायपुर, महासमुंद और गरियाबंद जिले के कई गांवों का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने सुराजी गांव योजना के नरवा , गरवा, घुरवा बाड़ी कार्यक्रम के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत देखी।

प्रतिनिधिमंडल ने गांवों में गौठान और वहां स्थापित रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में संचालित आय मूलक गतिविधियों के साथ-साथ नरवा विकास के कार्यों से जल संरक्षण और भू-जल संवर्धन की बेहतर होती स्थिति की मुक्त कंठ से सराहना की। यहां यह उल्लेखनीय है कि अखिल भारत कृषि गौ सेवा संघ की स्थापना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने की थी । इस संस्थान से जुड़े देश के 8 राज्यों उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान , केरल महाराष्ट्र , झारखंड, बंगाल ,बिहार के प्रख्यात गांधीवादी और कार्यकारी सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल छत्तीसगढ़ मॉडल के अवलोकन एवं अध्ययन भ्रमण पर छत्तीसगढ़ आया हुआ है।

नरवा विकास

प्रतिनिधि मंडल ने अपने भ्रमण के दौरान सर्वप्रथम रायपुर जिले के अभनपुर विकासखंड स्थित नवागांव (ल) गौठान की गतिविधियों का अवलोकन किया और वहां आय मूलक गतिविधियों का संचालन कर रही महिला समूह के सदस्यों से चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडल में नागपुर हाई कोर्ट के अधिवक्ता अतुल सोनक , त्रिशूर केरला के पर्यावरणविद् विनय जो , सामाजिक कार्यकर्ता श्री मनोज, स्वतंत्र पत्रकार श्याम पंधारी पांडे एवं विवेक देशपांडे, सेवाग्राम मेडिकल कॉलेज वर्धा के मेडिसिन अधिष्ठाता उल्हास जाजू, कृषि वैज्ञानिक श्री तारक कटे, शिक्षिका श्रीमती किरण जाजू शामिल थे।

महिला समूह

प्रतिनिधिमंडल ने इसके पश्चात रायपुर के सिरीखेड़ी स्थित कल्पतरु मल्टी यूटिलिटी सेंटर का भ्रमण कर वहां महिला समूह द्वारा तैयार किए जा रहे 28 प्रकार की हर्बल उत्पाद, मधुबन एवं बस्तर आर्ट पेंटिंग, बेकरी आइटम और आर. ओ . बाटलिंग प्लांट का मुआयना किया । प्रतिनिधिमंडल ने महिला समूह के स्वावलंबन को सराहा। डॉ उल्हास जाजू ने कहा कि भूपेश सरकार का छत्तीसगढ़ मॉडल देश के अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय है ।

महासमुंद जिले में गौठान और वहां रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में संचालित गतिविधियों को प्रतिनिधि मंडल ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने वाला कहा। गरियाबंद जिले के केशोडार वन-धन औषधि केंद्र की गतिविधियों को देखकर प्रतिनिधि मंडल ने राज्य में औषधीय पौधों के संरक्षण के प्रयास की प्रशंसा की। प्रतिनिधिमंडल ने गरियाबंद वन मंडल के ग्राम पंचायत बंदेपुरा में बासीखाई नाला विकास कार्यक्रम के अंतर्गत कराए गए कार्यों का जायजा लिया और ग्रामीणों से इससे हो रहे लाभ की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि बासीखाई नाला का उपचार होने से भूजल स्तर में वृद्धि हुई है। कुआं और नलकूप में, जहां पहले 180 फीट पर पानी मिलता था।

चिटफंड कंपनियों पर सख्त कार्यवाही की जाए : पुलिस महानिदेशक जुनेजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिरीक्षकों की बैठक सम्पन्न

रायपुर। पुलिस महानिदेशक श्री अशोक जुनेजा ने यहां नवा रायपुर स्थित पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिरीक्षकों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि चिटफंड कंपनियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाए। इसी प्रकार उन्होंने पिछले माह मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा ली गई समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन करने के निर्देश दिए। बैठक में अनियमित वित्तीय कंपनियों (चिट फण्ड), डायरेक्टर्स की गिरफ्तारी, निवेशकों को राशि वापसी, एनडीपीएस अपराध, प्रकरण वापसी, शिकायत जांच, महिला विरुद्ध अपराध, साप्ताहिक अवकाश, नव आरक्षकों का बुनियादी प्रशिक्षण, पदोन्नति, थानों एवं पुलिस कार्यालयों में सीसीटीवी स्थापना, डायल 112, नक्सल पीड़ितों का पुनर्वास, कानून एवं व्यवस्था इत्यादि विषयों पर समीक्षा कर विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए गए।

बैठक के उपरांत विभिन्न मैडल-पुरुस्कार विजेताओं का सम्मान किया गया। साथ ही छत्तीसगढ़ पुलिस के न्यूज़ लेटर का विमोचन किया गया। मीटिंग में सभी रेंज पुलिस महानिरीक्षक, आई जी (गुप्त वार्ता) सहित पुलिस मुख्यालय के पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक, उप पुलिस महानिरीक्षक उपस्थित थे।

कलेक्टर रानू साहू की संवेदनशीलता: दिव्यांग को तत्काल दिलाया मोटराइज्ड ट्राइसिकल

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कलेक्टर श्रीमती रानू साहू ने पाली अनुभाग प्रवास के दौरान ग्राम पंचायत चैतमा में पहुंचकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आंगनबाड़ी केन्द्र और पटवारी कार्यालय का निरीक्षण किया। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र निरीक्षण के दौरान ग्राम चैतमा के दिव्यांग श्री छत्रपाल पाटले ने कलेक्टर से ट्राइसिकल की मांग की। कलेक्टर श्रीमती साहू ने दिव्यांग नागरिक को राहत दिलाने के लिए तत्काल मोटराइज्ड ट्राइसिकल दिलाने के निर्देश मौके पर मौजूद अधिकारियों को दिये।

कलेक्टर के निर्देश पश्चात् अधिकारियों ने एक घंटे के भीतर दिव्यांग श्री पाटले को मोटराइज्ड ट्राइसिकल दिला दिया। ट्राइसिकल मिलने पर श्री पाटले ने खुशी जताते हुए कलेक्टर श्रीमती साहू का आभार जताया। उन्होनें बताया कि ट्राइसिकल मिल जाने से आने-जाने में आसानी होगी। श्री पाटले को पेंशन और राशन कार्ड की सुविधा मिल रही है। कलेक्टर श्रीमती साहू ने चैतमा में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र निरीक्षण के दौरान अस्पताल की सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मरीजों के इलाज के लिए सुनिश्चित की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। कलेक्टर श्रीमती साहू ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में मेडिकल स्टॉफ और उपलब्ध संसाधनों के बारे में भी जानकारी ली।

उन्होंने मरीजों के ईलाज के लिए उपयोग में लाये जाने वाले दवाईयों के स्टोर रूम का भी अवलोकन किया। साथ ही स्टोर रूम में जरूरी दवाईयों और इन्जेक्शन आदि की उपलब्धता के बारे में भी अस्पताल प्रभारी से जानकारी ली।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती ग्राम चैतमा की निवासी श्रीमती मीना से बात की। मीना ने सामान्य प्रसव से पुत्र को जन्म दिया है। कलेक्टर ने मीना और उनके पुत्र के तबियत के बारे में हाल-चाल पूछा और दोनों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस दौरान जिला पंचायत के सीईओ नूतन कंवर, जिला पंचायत सभापति गणराज सिंह कंवर, एसडीएम पाली श्रीमती ममता यादव, जनपद पंचायत पाली के सीईओ व्ही.के.राठौर, सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने चैतमा के आंगनबाड़ी केन्द्र का किया निरीक्षण- चैतमा प्रवास के दौरान कलेक्टर श्रीमती साहू ने चैतमा के आंगनबाड़ी केन्द्र में पहुंचकर बच्चों और उनकी माताओं से मुलाकात की। उन्होंने केन्द्र प्रभारी से गंभीर और मध्यम कुपोषित बच्चों की जानकारी ली। साथ ही बच्चों को सुपोषित करने की कार्य योजना के बारे में भी पूछा। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती साहू ने पांच बच्चों का अन्नप्रासन भी करवाया। साथ ही आंगनबाड़ी में आये बच्चों को चाकलेट का वितरण भी किया। उन्होनें आंगनबाड़ी केन्द्र परिसर में बाउंड्री करवाने के निर्देश अधिकारियों को दिये। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी में आई महिलाओं को अपने बच्चों को पौष्टिक आहार देने तथा आयरन की कमी दूर करने के लिए दाल के साथ पालक, मुनगा भाजी खिलाने के लिए कहा। उन्होंने महिलाओं को सुपोषित रहने के लिए गुड़ और चना खाने की भी सलाह दी।

कलेक्टर श्रीमती साहू ने पटवारी कार्यालय का किया निरीक्षण- कलेक्टर श्रीमती रानू साहू ने चैतमा प्रवास के दौरान पटवारी कार्यालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पटवारी कार्यालय में जाकर ग्रामीणो के आए हुए आवेदनों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने समय सीमा में राजस्व प्रकरणों के निराकरण कर ऑनलाइन दुरुस्तीकरण करने के निर्देश दिए। उन्होनें फौती नामांतरण के लंबित प्रतिवेदनों और वन अधिकार पट्टे के लिए प्राप्त आवेदनों की जानकारी मौक पर मौजूद पटवारी से ली। कलेक्टर श्रीमती साहू ने ग्रामीणों को बिना परेशानी के शासकीय सेवाओं का लाभ समय सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश मौके पर मौजूद अधिकारी कर्मचारियों को दिए।

जिला स्तरीय रामायण मंडली प्रतियोगिता में चिखली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

मुख्य अतिथि अमितेश शुक्ल ने दिया 50 हजार रुपये का पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। जिला मुख्यालय के गांधी मैदान में जिला स्तरीय रामायण प्रतियोगिता का भव्य आयोजन हुआ, जिसमे गरियाबन्द विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम चिखली के जय शंकर रामायण मंडली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में सर्वप्रथम मैनपुर की हरदीभाठा की जय शिव शंकर मानस मंडली ने अपनी प्रस्तुति दी। प्रतियोगिता गरियाबंद ब्लॉक के जय शंकर मानस मंडली चिखली, फिंगेश्वर ब्लॉक के राजीव लोचन मानस मंडली परतेवा, छुरा ब्लॉक के जय गुरुदेव संकीर्तन मंडल कुडेरादादर के मध्य आयोजित हुआ। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि प्रथम पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री एवम राजिम विधायक श्री अमितेश शुक्ल थे। इस अवसर कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री संजय नेताम ने किया। इस अवसर पर रामकृष्ण

वर्मा,कृष्ण कुमार शर्मा,वीरू यादव, ओम राठौर, राजेश साहू,मुकेश रामटेके, योगेश बधेल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं जिला पंचायत सीईओ रोक्तिमा यादव, आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त बद्रीश सुखदेवे व रामायण प्रेमी जनता बड़ी संख्या में मौजूद थे। प्रतियोगिता के लिए निर्णायक मंडल का गठन किया गया था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अमितेश शुक्ल ने विजेता टीम की घोषणा करते हुए जय शंकर रामायण मंडली ,चिखली को 50 हजार रुपए का प्रथम पुरस्कार प्रदान किया। द्वितीय स्थान पर फिंगेश्वर परतेवा, तृतीय स्थान छुरा कुडेरादादर एवं चतुर्थ स्थान पर हरदीभाठा मैनपुर की मंडली रही। विकासखण्ड स्तरीय विजेता मंडली को भी 10 -10 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया ।इस अवसर पर मुख्य अतिथि अमितेश शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा रामायण प्रतियोगिता का आयोजन महत्वपूर्ण है। उन्होंने मुख्यमंत्री को इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि रामायण लोगों के मन मे बसा है। इसके चौपाई, छंद स्वयं सिद्ध है। उन्होंने भगवान राम और माता कौशल्या की महिमा का बखान करते हुए कहा कि चंदखुरी में माता कौशल्या की जन्मस्थली को मुख्यमंत्री ने एक नया रूप दिया। आज हमें किसी भी आडम्बर और दिखावे से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने लोगो की भावना का सम्मान करते हुए इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इसके लिए साधुवाद दिया।

खास खबर

रबी फसलों के बीज सहित उर्वरकों और औषधियों की गुणवत्ता जांच जारी

रायपुर। राज्य में किसानों को प्रदाय किए जा रहे बीज, उर्वरक एवं पौध संरक्षण औषधि की गुणवत्ता की जांच का अभियान जारी है। कृषि विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी अपने-अपने इलाकों में लगातार बीज, खाद और औषधियों के सेम्पल ले रहे हैं, जिसकी जांच गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला में की जा रही है। चालू रबी सीजन में 29 मार्च की स्थिति में बीज के 74 नमूने तथा रासायनिक उर्वरक के 58 नमूने अमानक पाए गए हैं, जिनके लाट के विक्रय पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाने के साथ ही संबंधित फर्मों को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया गया है।

कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार रबी वर्ष 2021-22 में विभिन्न प्रकार के रबी फसलों बीज के अब तक 1046 नमूने लेकर प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु भेजे गए जिसमें से 972 सैम्पल मानक स्तर के तथा 74 सैम्पल अमानक पाए गए हैं। इसी तरह रासायनिक उर्वरकों की गुणवत्ता की जांच-पड़ताल के लिए कृषि विभाग के उर्वरक निरीक्षकों द्वारा 985 नमूने विभिन्न संस्थानों से लिए गए हैं, जिसमें से 937 नमूनों की जांच में 879 नमूने मानक स्तर के तथा 58 अमानक पाए गए हैं, जबकि 22 नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होना शेष है एवं 26 नमूने निरस्त कर दिए गए हैं। अमानक बीज एवं खाद के लाट के विक्रय को विभाग द्वारा प्रतिबंधित किए जाने के साथ संबंधित संस्थाओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसी तरह कीटनाशक औषधियों के 8 नमूने लिए गए है, जिसमें से 6 नमूने की रिपोर्ट मानक पायी गई है। शेष 2 नमूनों में से एक नमूना निरस्त कर दिया गया है, जबकि एक नमूने की गुणवत्ता रिपोर्ट प्राप्त होना बाकी है।

मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया की अनुशंसा पर 65 लाख 22 हजार के विकास कार्य स्वीकृत

रायपुर। नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया की अनुशंसा पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनान्तर्गत तालाबों के गहरीकरण सहित अन्य विकास कार्यों के लिये 65 लाख 22 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है। इसमें ग्राम बोरिद में सीसी रोड़ एवं सिचाई हेतु नाली निर्माण कार्य हेतु 17 लाख 99 हजार रुपये, ग्राम दरबा में चहुल तालाब गहरीकरण एवं पचरीकरण कार्य हेतु 09 लाख 99 हजार रुपये तथा ग्राम चोरभट्ठी में नया तालाब गहरीकरण हेतु 09 लाख 99 हजार रुपये स्वीकृति किया है। ग्राम धोबभट्ठी में बस्ती से लेकर दुकालू खेत तक सड़क उन्नयन कार्य हेतु 08 लाख 80 हजार रुपये, राधेश्याम खेत से पिरदा खार तक सड़क उन्नयन कार्य हेतु 06 लाख 62 हजार रुपये, ग्राम रीवा में नाला सफाई एवं गहरीकरण कार्य हेतु 03 लाख 35 हजार रुपये, ग्राम डुमहा में डबरी निर्माण कार्य साधेलाल हेतु 02 लाख 94 हजार रुपये, ग्राम गनौद में मनी साहू के घर से पवन के खेत तक टार नाली निर्माण एवं 03 नग पाईप पुलिया के लिये 02 लाख 24 हजार रुपये, तथा मिट्टी सड़क निर्माण एवं 1 नग पाईप पुलिया मंगलू साहू के ब्यारा से लोचन साहू के खेत तक के लिये 02 लाख 89 हजार रुपये की स्वीकृति मिली है।

आरंग क्षेत्र में लगातार विकास कार्यों की स्वीकृति मिलने पर जनपद अध्यक्ष खिलेश्वर देवांगन, कोमल सिंह साहू, पंचायत सदस्य केशरी मोहन साहू, माखन कुर्रे, अनिता थानसिंग साहू, दुर्गा रॉय, जनपद उपाध्यक्ष हेमलता, डूमेन्द्र साहू, जनपद सदस्य प्रीति चंद्रशेखर साहू सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणजनों ने हर्ष व्यक्त किया है और मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया के प्रति आभार भी व्यक्त किया है।

महिला समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को मिलेगा अच्छा प्रतिसादः अकबर

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री ने किया सी-मार्ट का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर ने अपने रायपुर स्थित निवास कार्यालय से सी-मार्ट का वर्चुअल शुभारंभ किया। मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की विक्रय व महिलाओं को स्वालंबी बनाने के उद्देश्य से सी-मार्ट की स्थापना की है।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में सरकार का यह बहुत बडा कदम है उन्होनें प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई जैसे बडे शहरों की तर्ज पर अब कवर्धा में सी-मार्ट की स्थापना की गई है। वन विभाग द्वारा लघु वनोपज का संग्रहण स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। जिसका सीधा लाभ प्रदेश एवं शहर की महिलाओं को मिल रहा है और हम महिला सशक्तीकरण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। मंत्री मो. अकबर व पंडरिया विधायक ममता चंद्राकर ने सी-मार्ट के शुभारंभ पर सी-मार्ट के संचालनकर्ता दीपांजली महिला स्व सहायता समूह को बधाई व शुभकामनाएं दी।

कैबिनेट मंत्री मो.अकबर द्वारा सी-मार्ट का वर्चुअल शुभारंभ पश्चात् नगर पालिका कार्यालय के पीछे स्थित सी-मार्ट में कलेक्टर श्री रमेश कुमार शर्मा, पुलिस अधीक्षक डॉ.लाल उमेंद सिह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत संदीप अग्रवाल व नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा, सभापतिगण, पार्षदगण एवं एल्डरमेन ने फीता काटकर दैनिक जीवन उपयोग में आने वाले सामाग्री क्रय किया।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा महिला समूह द्वारा निर्माण किये जाने वाले सामाग्री का एक ही छत के नीचे सामाग्री विक्रय करने हेतु एक मंच प्रदान किया गया है। कवर्धा जिले के महिला समूह अपना सामान विक्रय किये जाने हेतु सी-मार्ट में ला सकते हैं। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (नगर पालिका परिषद कवर्धा) द्वारा कैनरा बैंक कवर्धा के माध्यम से 10 लाख रूपए की ऋण राशि प्रदान किया गया है अब महिलायें स्वालंबी व सशक्त होगें। सी-मार्ट में दीपांजली महिला स्व-समूह द्वारा महिलाओं द्वारा निर्मित सामाग्री व दैनिक उपयोग की सामाग्री का विक्रय किया जायेगा। उन्होनें बताया कि महिलाओं द्वारा तैयार किए गए बडी, बिजौरी, सेवई, आलू चिप्स, मशाला, हल्दी मिर्ची, गोबर गमला, चांवल आटा, दलिया, गेहूं आटा, पापड, मुरकु, फिनाईल सहित अन्य सामाग्री का विक्रय किया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी नरेश कुमार वर्मा, कार्यपालन अभियंता एमएल कुर्रे, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र कबीरधाम,दीपांजली महिला स्व-सहायता समूह की सदस्यगण और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

बच्चों के पढ़ने-लिखने और सीखने की क्षमता बढ़ाने पर दें जोरः मंत्री डॉ. टेकाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम मंत्रालय में विभागीय काम-काज की समीक्षा करते हुए जिला शिक्षा अधिकारियों से कहा कि बच्चों की लिखने-पढ़ने और सीखने की क्षमता बढ़ाने विशेष कक्षा लगायी जाए। इसमें भाषा और गणितीय कौशल के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए। स्कूलों में शिक्षकों की जिम्मेदारी तय की जाए। आने वाले एक माह में बच्चों की पढ़ने पर जोर दिया जाए। इसके आधार पर जब सर्वे किया जाएगा उसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिला के शिक्षा अधिकारी को पुरस्कृत किया जाएगा।

मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि बाल-बाड़ी संचालन के लिए स्कूलों का चयन कर शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए जरूरी है कि प्रदेश में कोई भी भवन जर्जर न हो। बारिश से पहले स्कूलों की मरम्मत और रख-रखाव का कार्य पूर्ण कर लिया जाए। जिन विद्यालयों के लिए राशि जारी हुई है उनका कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करा लिया जाए। विभाग द्वारा संचालित योजनाओं में पाठ्य पुस्तक, गणवेश, सायकल, छात्रवृत्ति, मध्यान्ह भोजन, महतारी दुलार योजना, व्यावसायिक शिक्षा का आदि का लाभ हितग्राही बच्चों को समय पर मिले इसके लिए अभी रोड मैप तैयार कर लिया जाए।

मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में शिक्षकों भर्ती और प्रति नियुक्ति की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर ली जाए। इसी प्रकार शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया भी पूर्ण करें। विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए बच्चों की दर्ज संख्या और शिक्षकों की वास्तविक संख्या की आवश्यकता पड़ती है। इसके लिए विभाग के पोर्टल में सही एंट्री करना सुनिश्चित करें। पूर्व की एंट्री में कोई त्रुटि हो तो उसे सुधार लिया जाए।

प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. आलोक शुक्ला ने कहा कि स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में ऐसे जर्जर भवनों को डिस्मेंटल करने की कार्यवाही की जाए। इसके लिए नगरीय क्षेत्र में नगरीय निकाय और पंचायत क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी से प्रमाण पत्र लिया जाए। डिस्मेंटल करने वाले भवनों की जानकारी विभाग के पोर्टल में दर्ज की जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 6536 प्राथमिक स्कूलों में पांच-छह वर्ष आयु समूह के बच्चों के लिए बालबाड़ी शुरू की जानी है। प्रदेश के सभी प्राथमिक स्कूलों में बच्चों के बैठने योग्य कमरों की जानकारी स्कूल परिसर से स्थल की दूरी को भी पोर्टल में दर्ज किया जाए।

राज्य सरकार के किसान हितैषी फैसलों से साल दर साल बना धान खरीदी का नया कीर्तिमान

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार के किसान हितैषी फैसलों से साल दर साल धान खरीदी का नया कीर्तिमान बन रहा है। मुख्यमंत्री की पहल पर अब खेती-किसानी छत्तीसगढ़ में लाभकारी व्यवसाय बन गया है, इससे प्रदेश के किसानों की चिंता दूर हुई है। उल्लेखनीय है कि चालू खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 में 21.77 लाख किसानों से सुगमतापूर्वक लगभग 98 लाख मीटरिक टन धान की रिकॉर्ड खरीदी की गई है। धान खरीदी के एवज में किसानों को इस वर्ष लगभग 20 हजार करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष धान उपार्जन केन्द्रों की संख्या में वृद्धि की गई है। इस वर्ष 173 नये धान उपार्जन केन्द्रों के साथ कुल 2484 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से धान खरीदी की गई है। धान खरीदी के लिए सरकार की सराहनीय पहल और नीतियों को किसानों ने काफी सराहा है। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष 2020-21 में 2311 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से 20.53 लाख किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 92.02 लाख मीटरिक टन धान का उपार्जन किया गया था। विगत वर्ष 2020-21 किसानों से 24.87 लाख हेक्टेयर में धान खरीदी की गई थी। जबकि वर्ष 2021-22 में 26.48 लाख हेक्टेयर में धान की खरीदी की गई। इस प्रकार गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष 01 लाख 23 हजार 819 अधिक किसान लाभान्वित हुए एवं 01 लाख 61 हजार हेक्टेयर अधिक रकबे में खरीदी सुचारू रूप से की गई। गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष लगभग 5.96 लाख मीटरिक टन अधिक धान खरीदी की गई।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग दुर्ग (छ.ग.)

ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-03

Email id : ee-res.durg@gov.in

ज्ञा.कं. 943/व.ले.लि./ग्रा.या.से./2022-23 दुर्ग, दिनांक 04.04.2022

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	वृन्दादेवी परिसर में अहाता निर्माण कार्य आगेसरा S. T. No. 96659	23.21
2	खेल मैदान निर्माण कार्य आगेसरा S. T. No. 96661	33.57

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी http://eproc.cgstate.gov.in में अथवा कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर दिनांक 04.04.2022 से देखी जा सकती है एवं ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड, करने की अंतिम तिथि 18.04.2022 तक है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग
दुर्ग (छ.ग.)

जी-90090/5

वन अधिकार अधिनियम

छत्तीसगढ़ में 4.91 लाख से अधिक वन अधिकार पत्र वितरित

वन निवासियों को दी गई है करीब 23.46 लाख हेक्टेयर भूमि

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में वन अधिकार अधिनियम के तहत

राज्य स्तरीय निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वन अधिकार अधिनियम के तहत चार लाख 91 हजार 750 वन अधिकार पत्रों का वितरण हितग्राहियों को किया गया है। इसके तहत करीब 23 लाख 46 हजार 641 हेक्टेयर भूमि हितग्राहियों को बांटी गई है। यह जानकारी राज्य स्तरीय वन अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन हेतु गठित समिति की बैठक में दी गई। बैठक में व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वन अधिकार पत्रों की जिलेवार प्रगति, सामुदायिक वन अधिकार प्रकरणों में विभिन्न प्रयोजन हेतु वितरित भूमि में किए गए विकास कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में संसदीय सचिव शिशुपाल शोरी, पूर्व विधायक कटघोरा बोधराम कंवर सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद थे।

बैठक में मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने वन अधिकार अधिनियम के नोडल विभाग आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वन अधिकार अधिनियम के तहत व्यक्तिगत एवं सामुदायिक अधिकार पत्र के हितग्राहियों की सूची ग्राम पंचायतों में उपलब्ध की जाए और वन अधिकार पत्र के हितग्राहियों स्टेटस ऑनलाइन किया जाए। बैठक में व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वन अधिकार पत्रों के प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में वन अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र के तहत चार लाख 45 हजार 586 हितग्राहियों को तीन लाख 63 हजार 664 हेक्टेयर से ज्यादा भूमि वितरित की गई है। इसी तरह से सामुदायिक वन अधिकार पत्रों के तहत 45 हजार 764 प्रकरणों में 19 लाख 82 हजार 977 हेक्टेयर भूमि का वितरण किया गया है। बैठक में वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत वितरित भूमि के एक लाख दो हजार 676 हितग्राहियों के भूमि विकास संबंधी कार्यों में भूमि समतलीकरण एवं मेढ़ बंधान के करीब 54 हजार 572 हेक्टेयर भूमि में कार्य किया गया है। इसके लिए 36 करोड़ 68 लाख से अधिक की राशि स्वीकृत की गई।

अधिकारियों ने यह भी बताया कि हितग्राहियों को कृषि कार्य हेतु खाद एवं बीज हेतु एक लाख 43 हजार 870 हितग्राहियों एवं कृषि उपकरण हेतु 11 हजार 188 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सम्पन्न बैठक में अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग रेणु जी पिल्ले, पीसीसीएफ राकेश चतुर्वेदी, प्रमुख सचिव वन मनोज पिंगुआ, सचिव आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विभाग डीडी सिंह, आयुक्त आदिवासी विकास शम्मी आबिदी, राजस्व विभाग के सचिव नीलम नामदेव एक्का सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड राजेन्द्र पार्क चौक, दुर्ग (छ.ग.)

दूरभाष क्र. 0788-2323633 E-mail:eedurg-phe-cg@nic.in

// ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना (तृतीय आमंत्रण)//

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग छ.ग. शासन में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत " बी, सी" एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र "ए" में प्रतिशत दर पर दुर्ग जिले के विकासखंड दुर्ग/धमधा/पाटन के निम्नलिखित ग्रामों में जल जीवन मिशन अंतर्गत रेट्रोफिटिंग नलजल प्रदाय योजना योजनांतर्गत विभिन्न कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्रमांक	नि.सू.क्र./दि.	सिस्टम क्र.	विकासखंड	ग्राम का नाम	अनुमानित लागत (रू.लाख में)
1	01/04.04.2022	96635	दुर्ग	कुथरेल	144.18
2	02/04.04.2022	96636	दुर्ग	रेवलीडीह, समोदा	156.72
3	03/04.04.2022	96637	दुर्ग	अंजोरा (खा, भोथली, थनौद	223.26
4	04/04.04.2022	96638	दुर्ग	धनोरा	304.45
5	05/04.04.2022	96639	दुर्ग	चिखली, खेदामारा, ननकट्ठी	365.10
6	06/04.04.2022	96640	धमधा	कोड़िया, मेडेसरा, पथरिया (मेडे), अहेरी	352.43
7	07/04.04.2022	96641	धमधा	देवरी, पेण्ड्रावन, बरहापुर, ठेलका	352.54
8	08/04.04.2022	96642	धमधा	पथरिया (डोमा), लिटिया, चीचा हिर्री, नवागांव (पुरदा), दनिया	370.55
9	09/04.04.2022	96643	पाटन	सिपकोना खम्हरिया (डी), केसरा	313.15

नोटः- उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानाकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in दिनांक 11.04.2022 से देखे जा सकते हैं तथा बिड सबमिशन की अंतिम तिथि दिनांक 20.04.2022 है।

कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड,
दुर्ग (छ.ग.)

जी-90081/7

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

हैप्पी बर्थडे जीतेंद्र : एक फिल्म बनाने के लिए लगा दी थी जिंदगी भर की कमाई फिल्म पिटने से हुए दिवालिया, आज 1512 करोड़ की संपत्ति के मालिक

अपनी बेहतरीन डांसिंग स्टाइल के अलग पहचान रखने वाले जीतेंद्र आज 80 साल के हो चुके हैं। जीतेंद्र ने श्रीदेवी और जया प्रदा के साथ 1960-90 के बीच कई हिट फिल्में दीं। जीतेंद्र ने नवरंग फिल्म से करियर की शुरुआत की लेकिन उन्हें बड़ा ब्रेक दिलाया फर्ज फिल्म ने। जीतेंद्र इतने फेमस हुए कि उनके पहने हुए कपड़ों को भारतीय बाजार में बेचा जाने लगा। अभिनय के साथ जीतेंद्र ने प्रोडक्शन हाउस से भी मोटी कमाई की, लेकिन फिल्में प्रोड्यूस करते हुए जीतेंद्र दो बार दिवालिया होने की कगार पर भी आ गए। हर बार कंगाली से निकलकर जीतेंद्र ने दमदार वापसी की और 1512 करोड़ रुपए की संपत्ति बनाई।

जीतेंद्र का जन्म अमृतसर में जूलरी बेचने वाले अमरनाथ के घर हुआ था। बचपन में उन्हें रवि कपूर नाम दिया गया था, लेकिन फिल्मों में आने से पहले उन्होंने स्टेज नेम जीतेंद्र अपना लिया।जीतेंद्र 20 सालों तक गोरेगांव, मुंबई के चॉल में रहे। 4 मंजिला इमारत में जीतेंद्र 80 परिवारों के साथ रहते थे। गरीबी का आलम ऐसा था कि जब जीतेंद्र के घर में पंखा लगा तो पूरी चॉल के लोग पंखा देखने घर पहुंचे।

पहली फिल्म में बने हीरोइन के बॉडी डबल

सेंट सिबेस्टियन स्कूल से पढ़ाई करते हुए उन्हें राजेश खन्ना का साथ मिला। जीतेंद्र के पिता फिल्म इंडस्ट्री में जूलरी सप्लाई किया करते थे। जीतेंद्र अपने पिता की मदद करते हुए फिल्ममेकर वी शांताराम को जूलरी सप्लाई करते थे, जिसके उन्हें महीने में 100 रुपए मिलते थे। एक दिन शांताराम ने जीतेंद्र को फिल्म नवरंग में कास्ट कर लिया। लेकिन इस फिल्म में उन्होंने मैन लीड संध्या की तरह तैयार होकर उनकी बॉडी डबल का काम किया। दरअसल आग से कूदने वाले एक सीन के लिए कोई लड़की तैयार नहीं थी, ऐसे में सेट पर मौजूद जीतेंद्र ने ये जिम्मेदारी उठा ली। उन्होंने लड़की का गेटअप धारण किया और शूटिंग की। जीतेंद्र की मदद से इंप्रेस होकर शांताराम ने उन्हें गीत गाया पत्थरों (1964) में लीड रोल दिया। फिल्म 'फर्ज' (1967) ने जितेंद्र को सुपरस्टार बना दिया। इस फिल्म के गीत 'मस्त बहारों का मैं आशिक' में जितेंद्रे के टी-शर्ट और व्हाइट जूतों का ट्रेंड बॉलीवुड में खासा चर्चित हुआ और इस ड्रेसिंग ट्रेंड ने इंडस्ट्री में जितेंद्र को अलग पहचान दिलाई। जीतेंद्र के डांसिंग स्टाइल से उन्हें जंपिंग जैक कहा जाने लगा। जीतेंद्र उस जमाने में रीमेक फिल्में करने वाले इकलौते एक्टर थे।

14 साल में हुआ पहला प्यार

महज 14 साल की उम्र में जीतेंद्र शोभा कपूर को दिल दे बैठे। 1956-74 तक रिलेशन में रहने के बाद दोनों ने शादी कर ली। कपल के दो बच्चे एकता कपूर और तुषार कपूर हैं।

संजीव कुमार के लव लेटर में लिख दिया था अपना नाम

एक जमाने में जब हेमा और धर्मेंद्र के रिश्ते में दरार आई तो संजीव कुमार ने हेमा से प्यार का इजहार करने का सोचा। संजीव ने हेमा के लिए जीतेंद्र से लव लेटर लिखवाया और उन्हीं के हाथों से घर पहुंचवाया। हेमा के घर पहुंचे जीतेंद्र

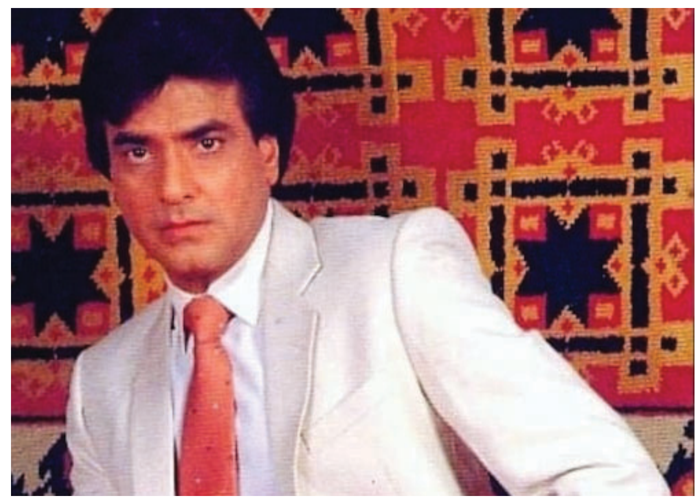

खुद उन्हें दिल दे बैठे और चालाकी कर लेटर में संजीव की जगह अपना नाम लिख दिया। हेमा के परिवार वाले धर्मेंद्र और संजीव को पसंद नहीं करते थे, लेकिन उन्हें जीतेंद्र पसंद थे। जीतेंद्र दो दिन बाद ही हेमा के घर रिश्तेदार और पंडित लेकर पहुंचे। ठीक इसी समय उनकी पत्नी शोभा को भनक लग गई और उन्होंने हेमा के घर पहुंचकर खूब हंगामा किया। दूसरी तरफजब धर्मेंद्र ने कॉल कर जान देने की धमकी दी तो हेमा उनसे शादी करने के लिए राजी हो गईं।

करवाचौथ के दिन पत्नी ने बचाई थी जान

1975 में शोभा ने जीतेंद्र के लिए करवाचौथ का व्रत रखा था, लेकिन ठीक इसी दिन उन्हें शूटिंग के लिए निकलना था। उनकी फ्लाइट डिले हुए तो जीतेंद्र पत्नी का व्रत खुलवाने एयरपोर्ट से घर पहुंचे। फ्लाइट का टाइम हुआ तो शोभा ने जिद करके उन्हें घर पर ही रोक लिया। जीतेंद्र ने मेकअप आर्टिस्ट को भी वापस बुला लिया और अगले दिन रवाना होने का फैसला किया। जीतेंद्र ने पाली हिल स्थित अपने घर से एयरपोर्ट की तरफ देखा तो वहां जोरदार आग लगी थी। कुछ ही समय बाद खबर आई कि इंडियन एयरलाइन की जिस फ्लाइट से जीतेंद्र जाने वाले थे वो क्रैश हो गई है।

200 फिल्में लेकिन एक भी अवॉर्ड नहीं

जीतेंद्र ने अपने एक्टिंग करियर में 200 से ज्यादा फिल्में की लेकिन उन्हें कभी एक्टिंग के लिए कोई अवॉर्ड नहीं मिला। 2002 से लेकर 2012 तक जीतेंद्र को 5 बार लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है।

दो बार हुए दिवालिया लेकिन आज है 1512 करोड़ का साम्राज्य

जीतेंद्र को करियर की शुरुआत में महीने के 100 रुपए मिलते थे, लेकिन आज यही जीतेंद्र 1512 करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं। 40 सालों के एक्टिंग करियर में जीतेंद्र 2 बार दिवालिया होने की कगार पर आ खड़े हुए। 1972-74 के बीच जीतेंद्र को फिल्मों में काम मिलना कम हो गया था, जिससे वो जॉबलेस हो गए। जीतेंद्र ने अपनी सालों की कमाई लगाकर 1982 में दीदार-ए-यार फिल्म बनाई जो बुरी तरह फ्लॉप हो गई। जीतेंद्र को 2.5 करोड़ का नुकसान हुआ और वो कंगाल हो गए। इस नुकसान से उभरने के लिए जीतेंद्र ने बैक-टू-बैक 60 फिल्में कीं, जिनमें से ज्यादातर रीमेक थीं। सालों से जीतेंद्र फिल्मों में नजर नहीं आए हैं, इसके बावजूद वो अपने होम प्रोडक्शन, बालाजी टेलीफिल्म्स, ऑल्ट एंटरटेनमेंट, बालाजी मोशन पिक्चर के जरिए सालाना 200-300 करोड़ कमाते हैं। जीतेंद्र के मुंबई और अन्य शहरों में कई लग्जरी प्रॉपर्टी हैं, लेकिन वो जिस घर में रहने हैं उसकी कीमत 90 करोड़ रुपए है।

जैकी चैन का बॉलीवुड से है खास नाता, भारतीय कलाकारों के साथ इन फिल्मों में कर चुके हैं काम

जैकी चैन सिनेमा जगत का एक ऐसा नाम है, जो न केवल अपने जबरदस्त एक्शन के लिए पहचाने जाते हैं, बल्कि अपनी कॉमेडी की वजह से भी दर्शकों के दिलों पर राज करते हैं। वह एक ऐसे अभिनेता हैं, जिन्हें लगभग हर देश में पसंद किया जाता है। महज पांच साल की छोटी-सी उम्र में अपने करियर की शुरुआत करने वाले हॉन्ग कॉन्ग के इस मार्शल आर्टिस्ट ने अबतक तकरीबन 131 फिल्मों में अभिनय किया है। दर्शकों के दिलों पर राज करने वाले जैकी का आज (7 अप्रैल) 68वां जन्मदिन है। वैसे तो आपने जैकी चैन के बारे में बहुत कुछ सुना होगा लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपका यह पसंदीदा अभिनेता का भारत से खास कनेक्शन है।

चुलबुल पांडे के दुश्मन 'छेदी सिंह' के साथ कर चुके हैं काम बता दें कि 68 वर्षीय जैकी चैन ने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। जैकी चैन ने मार्शल आर्ट की जूडो, टाइक्कांडो सहित कई और फॉर्म्स को सीखा है। जैकी चैन ने 70 और 80 के दशक में हॉन्ग कॉन्ग सिनेमा में काम करना शुरू किया था और 90 के दशक तक वह एक बड़े सितारे बन चुके थे। आपने जैकी चैन को वेसे तो कई एक्शन फिल्मों में बड़े-बड़े सितारों के साथ काम करते देखा होगा लेकिन क्या आप जानते हैं वह भारतीय सितारों के साथ भी स्क्रीन शेयर कर चुके हैं? आपको सुनकर हैरानी जरूर हुई होगी लेकिन यह बात बिल्कुल सच है। आपके पसंदीदा एक्शन अभिनेता ने बॉलीवुड एक्शन हीरो सोनू सूद के साथ काम किया है।

'कुंग फूयोगा' में साथ दिखे जैकी और सोनू

साल 2017 में आई कॉमेडी एक्शन फिल्म 'कुंग फूपांडा' में ये चाइनीज स्टार बॉलीवुड एक्टर्स के साथ काम करते नजर आए थे। यह फिल्म एक पुरातत्व प्रोफेसर जैक के इर्द-गिर्द घूमती है, जो भारत के खोए हुए खजाने की खोज के लिए एक भारतीय प्रोफेसर के साथ मिलकर काम करता है। इसमें इन दोनों अभिनेताओं के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी और अमायरा दस्तू भी नजर आई हैं। यह फिल्म आधी चाइना में और आधी भारत में शूट की गई थी।

भारतीय डांस से जैकी को लगता है डर

फिल्म 'कुंग फूयोगा' में जैकी चैन को दिशा पाटनी के साथ थिरकते हुए भी देखा गया था। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अपने खतरनाक एक्शन से पूरी दुनिया में मशहूर जैकी चैन को डांस से डर लगता है। इस फिल्म का भारत में प्रमोशन करते वक्त जैकी चैन ने खुलासा किया था कि उन्हें भारतीय फिल्मों का नाच गाना, एक्शन से मुश्किल लगता है। जैकी ने कहा था कि 'मेरा सर मुझसे ज्यादा हिलाया नहीं जाता। मैंने तो कॉरियोग्राफर को बोला था की मुझे आसान स्टेप्स दो।'

मल्लिका और जैकी की जोड़ी

जैकी चैन इससे पहले भी भारतीय सिनेमा के कलाकारों के साथ काम करते हुए देखे जा चुके हैं। उन्होंने इससे पहले बॉलीवुड आदाकारा मल्लिका शेरावत के साथ स्क्रीन शेयर की थी। मल्लिका शेरावत और जैकी चैन ने साल 2005 में आई फिल्म 'द मिथ' में काम किया था। 'द मिथ' में मल्लिका ने बहुत छोटा-सा रोल किया था, जिसमें वह केवल आठ मिनट के लिए पर्दे पर जैकी के साथ नजर आई थीं।

शाहिद कपूर ने शिल्पा शेट्टी-मृणाल ठाकुर के साथ किया फनी डांस, वीडियो हुआ वायरल

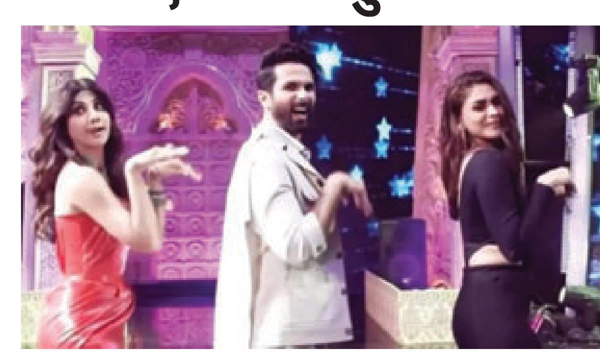

शाहिद कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म जर्सी के प्रमोशन में काफी बिजी हैं। उन्हें अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर फिल्म का प्रचार करते हुए देखा जा रहा है। हाल ही में शाहिद इंडियाज गॉट टैलेंट में फिल्म का प्रचार करने पहुंचे। शो के दौरान उन्होंने शिल्पा शेट्टी और मृणाल ठाकुर के साथ डांस भी किया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वीडियो में शिल्पा शेट्टी और मृणाल ठाकुर, शाहिद के गाने 'तू मेरे अगल-बगल है' पर फनी डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को शो की जज शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। शिल्पा ने फैंस के लिए वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'खाली पीली रोकने का नहीं, जर्सी थिएटर में देखना भूलने का नहीं...अगल बगल के सिनेमाघरों में इस शुक्रवार 14 मई से।'

शिल्पा का यह इंस्टा पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रहा है। इस पोस्ट पर लोग अलग-अलग तरह के रिएक्शन दे रहे हैं। गौरतलब है कि शाहिद कपूर जल्द ही फिल्म जर्सी में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उन्होंने एक क्रिकेटर की भूमिका निभाई। फिल्म में मृणाल ठाकुर उनकी पत्नी के किरदार में नजर आने वाली हैं। जर्सी साउथ की इसी नाम से बनी फिल्म का रीमेक है, जिसमें नानी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। दक्षिण भारत में यह फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी। फिल्म को हिंदी पट्टी के लोगों ने भी काफी पसंद किया था।

गोविंदा का नया गाना टन टना टन हुआ रिलीज

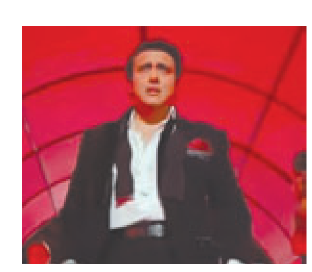

गोविंदा आजकल फिल्मी दुनिया से बिल्कुल दूर हैं। कभी-कभी वह रियलिटी शोज में जरूर नजर आ जाते हैं। गोविंदा इस समय एक यूट्यूब चैनल 'गोविंदा रोयाल्स' नाम से चला रहे हैं, जिसपर वह अपने डांस के वीडियोज शेयर करते रहते हैं। इस बार गोविंदा अपने फैंस के लिए एक नया गाना 'टन टना टन' लेकर आए हैं। इस गाने को मीका सिंह ने गाया है। इस गाने में गोविंदा अपने पुराने अंदाज में डांस करते नजर आ रहे हैं। खास बात यह है कि इस गाने को मशहूर कोरियोग्राफर गणेश आचार्य ने कोरियोग्राफ किया है। इस गाने में गोविंदा के एक्सप्रेशन बहुत कमाल के हैं। इस गाने को देखकर फैंस को 90 के दशक के गोविंदा की याद आ जाएगी, क्योंकि इस गाने में उनके डांस मूव्स और एक्सप्रेशन भी वैसे ही हैं। गोविंदा के नए गाने पर फैंस भी जमकर प्यार लुटा रहे हैं. एक फैन ने लिखा- असली टैलेंट को कोई नहीं दबा सकता सर। वहीं एक दूसरे फैन ने लिखा- गोविंदा सर के टैलेंट का जरुर इस्तेमाल करना चाहिए। एक अन्य यूजर ने कहा- राजा बाबू गोविंदा जैसा एक्टर ना कभी आया है ना कभी आयेगा।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की डेब्यू वेब सीरीज में विवेक ओबेरॉय और शिल्पा शेट्टी की एंट्री

बाटला हाउस एनकाउंटर से मिलते जुलते मिशन का है प्लॉट

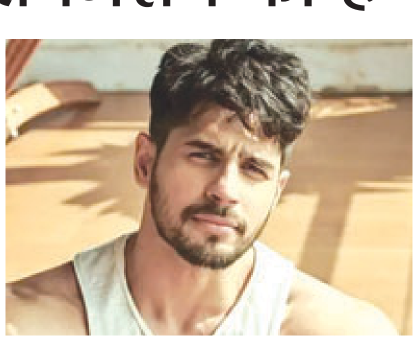

सिद्धार्थ मल्होत्रा इन दिनों फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के बैनर की वेब सीरीज की शूटिंग में बिजी हैं। सीरीज से जुड़े सूत्रों ने बताया कि इसमें विवेक ओबेरॉय की भी एंट्री हो गई है। दोनों के किरदार का मिशन पांच युवा टेररिस्टों का एनकाउंटर बताया जा रहा है। इसे बाटला हाउस एनकाउंटर से मिलते जुलते मिशन से इंस्पायर्ड कहा जा रहा है। मेकर्स ने तीन महीने के लिए विले पार्ले में जीटीसी यानी ग्रैंड टोबैको कंपनी की इमारत शूट के लिए बुक की हुई है। रोहित शेट्टी की टीम इस वेब सीरीज की शूटिंग को इस महीने के मिड में दिल्ली भी जाने वाले थे। हालांकि, उसमें थोड़ी तब्दीली हुई है। विले पार्ले में ही दिल्ली के रेलवे स्टेशनों का सेट बनाया जा रहा है।

सूत्रों ने बताया कि सीरीज में विवेक ओबेरॉय के अलावा शिल्पा शेट्टी भी नजर आएंगी। शिल्पा ने हाल ही में पंजाब में अपने एक और प्रोजेक्ट 'सुखी' का पंजाब शेड्यूल पूरा किया था। जून में उनकी भाग्यश्री के बेटे के साथ 'निकम्मा' रिलीज हो रही है। रोहित शेट्टी वाले प्रोजेक्ट में उनका किरदार भी कॉप का बताया जा रहा है। विवेक और शिल्पा के साथ-साथ उनकी टोली में निकेतन धीर भी हैं। 'चेन्नई एक्सप्रेस' और 'सूर्यवंशी' के बाद वो फिर से रोहित शेट्टी के साथ काम कर रहे हैं। उन दोनों प्रोजेक्टों में निकेतन धीर का रोल ग्रे और निगेटिव शेड का था। यहां उन्हें पॉजिटिव कॉप की भूमिका मिली है।

वेब सीरीज में विलेन के रोल में मयंक टंडन को कास्ट किया गया है। मयंक उनके साथ कई प्रोजेक्टों में उनके असिस्टेंट रहे हैं। रोहित ने उन्हें यहां मेन विलेन बनाया है। विले पार्ले में टोबैको कंपनी की इमारत में दिल्ली के ओखला का सेट भी क्रिएट किया है। सूत्रों का दावा है कि यह बाटला हाउस एनकाउंटर से मिलती जुलती कहानी है। हालांकि, यहां काफी बदलाव किए गए हैं। बहरहाल, सिद्धार्थ, विवेक और निकेतन धीर की तरह शिल्पा शेट्टी का भी कॉप कैरेक्टर आतंकियों से इंटेरोगेशन और उनका सफाया करता है। रोहित शेट्टी वेब सीरीज में भी अपना रवायती शूट पैटर्न फॉलो कर रहे हैं। वह यूं कि पहले भी काम कर चुके कलाकारों की कास्टिंग उन्होंने यहां की है। रोहित ने अपने एडी रहे सुशवंत प्रकाश को डायरेक्शन की कमान भी दी है। साथ ही वो इस वेब सीरीज की शूट का एक शेड्यूल गोवा में भी रख रहे हैं।

सूत्रों ने बताया कि दिल्ली और गोवा का शूट कंप्लीट करने के बाद रोहित शेट्टी अपने टीवी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के अगले सीजन की शूटिंग शुरू करेंगे। उसके लिए उन्होंने पिछले वीक प्रोमो शूट भी किया है। उसके चलते उस दिन वह अपने वेब सीरीज वाले शूट पर नहीं जा पाए थे। टीवी शो के लिए उनका दो महीनों का शेड्यूल रहेगा। वहां से अक्टूबर में वापस आने के बाद सिद्धार्थ वाली वेब सीरीज का पैच वर्क पूरा करेंगे।

खास खबर

आरपीएफ के 08 कर्मी अति उत्कृष्ट सेवा व 18 कर्मी उत्कृष्ट सेवा पदक से हुए सम्मानित

रायपुर। गृह मंत्रालय द्वारा वर्ष 2020 के दौरान उत्कृष्ट सेवा के लिए कुल 459 रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों को सम्मानित किया गया है , जिनमे से 334 रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों को उत्कृष्ट सेवा पदक और 125 रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों को अति-उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। इनमें दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 18 रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों को उत्कृष्ट सेवा पदक और 08 रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों को अति-उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। महानिदेशक रेलवे सुरक्षा बल ने सभी पुरस्कार विजेताओं को इस पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर बधाई दी है और कहा है कि गृह मंत्रालय ने उनकी मेधावी सेवा और कर्तव्य के प्रति समर्पण के सम्मान में पदक देकर उनका सम्मान बढ़ाया है और उनकी हौसला अफ्ज़ाई की है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के आईजी सह महानिरीक्षक अमिय नन्दन सिन्हा ने भी पुरस्कार प्राप्त करने वाले बल सदस्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की है और कहा है कि इन पुरस्कारों से बल सदस्यों का मनोबल बढ़ता है और अन्य बल सदस्यों को अच्छा कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।

जिले में लू के सर्वेलेंस, रोकथाम व नियंत्रण के लिए मार्गदर्शिका जारी

बालोद। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.के.मण्डल ने जिले में ''लू'' के सर्वेलेंस, रोकथाम व नियंत्रण के लिए जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर मार्गदर्शिका हेतु निर्देश जारी किया है। उन्होंने बताया कि ''लू'' के मुख्य लक्षण - सिर में भारीपन और दर्द का अनुभव, तेज बुखार के साथ मुंह का सूखना, चक्कर और उल्टी आना, कमजोरी के साथ शरीर में दर्द होना, शरीर का तापमान अधिक होने के बावजूद पसीने का ना आना, अधिक प्यास लगना और पेशाब कम आना, भूख कम लगना व बेहोश होना है। उन्होंने बताया कि ''लू'' से बचाव के उपाय - धूप में निकलने से पहले सर व कानों को कपड़े से अच्छी तरह से बांध लें, पानी अधिक मात्रा में पीयें, अधिक पसीना आने की स्थिति में ओ.आर.एस. घोल पीयें, प्रारंभिक सलाह के लिए 104 आरोग्य सेवा केन्द्र से निःशुल्क परामर्श लिया जाए, उल्टी, सिरदर्द, तेज बुखार की दशा में निकट के अस्पताल अथवा स्वास्थ्य केन्द्र में जरूरी सलाह लिया जाए। उन्होंने बताया कि ''लू'' लगने पर किया जाने वाला प्रारंभिक उपचार - बुखार पीड़ित व्यक्ति के सर पर ठंडे पानी की पट्टी लगाएं, अधिक पानी व पेय पदार्थ पिलाएं जैसे कच्चे आम का पना,शीघ्र ही किसी नजदीकी चिकित्सक या अस्पताल में इलाज के लिए ले जाएं।

छत्तीसगढ़ में गेहूं की खेती का तेजी से बढ़ता ग्राफ

तीन सालों में रकबा एक लाख से बढ़कर हुआ सवा दो लाख हेक्टेयर

इस साल पौने तीन लाख हेक्टेयर में हो रही गेहूं की खेती

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में खेती-किसानी में अब तेजी से बदलाव आ रहा है। राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों के चलते फसल विविधीकरण को बढ़ावा मिलने लगा है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना के माध्यम से छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों को समय-समय पर दी जानी वाली सीधी मदद भी फसल विविधीकरण में मददगार साबित हुई है।

इस योजना के तहत किसानों को सालभर में चार किश्तों में दी जानी वाली इनपुट सब्सिडी से खेती-किसानी समृद्ध हुई है और धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में अन्य फसलों की खेती की ओर किसानों का रूझान बढ़ा है। छत्तीसगढ़ में चना, तिवड़ा, सरसो, गेहूं रबी की मुख्य फसलें हैं। बीते तीन सालों में गेहूं की खेती की ओर राज्य के किसानों का रूझान तेजी से बढ़ा है। जिसके चलते गेहूं की रकबे में पौने तीन गुना की वृद्धि हुई। राज्य में तीन-चार साल पहले औसतन एक लाख हेक्टेयर में गेहूं की खेती हुआ करती थी, जो रबी सीजन 2020-21 में सवा दो लाख हेक्टेयर तक जा पहुंची थी, वही रबी सीजन 2021-22 में गेहूं का रकबा बढ़कर पौने तीन लाख हेक्टेयर के करीब पहुंच गया है।

छत्तीसगढ़ के सिर्फ चार जिलों राजनांदगांव, कबीरधाम, बेमेतरा, दुर्ग क्षेत्र में देखें तो, गेहूं की खेती का रकबा तीन सालों में तीन गुना बढ़ गया है। वर्ष 2016-17 और 2017-18 उक्त जिलों में गेहूं की खेती औसतन 40-45 हजार हेक्टेयर में होती थी, जिसका रकबा बढ़कर आज सवा लाख हेक्टेयर के करीब पहुंच गया है। गेहूं की खेती में तीन वर्षों में सर्वाधिक 4 गुना बढ़ोत्तरी बेमेतरा जिले में हुई है, यहां गेहूं की खेती का रकबा 14-15 हजार हेक्टेयर से बढ़कर 55 हजार हेक्टेयर के करीब पहुंच गया है, जबकि इस दौरान राजनांदगांव जिले में गेहूं का रकबा 12 हजार हेक्टेयर से बढ़कर 33 हजार हेक्टेयर और कबीरधाम जिले में 7 हजार हेक्टेयर से बढ़कर 13 हजार हेक्टेयर हो गया है। बलरामपुर और सूरजपुर जिले में भी गेहूं की खेती को लेकर किसानों में क्रेज बढ़ा है। सूरजपुर जिले में 5 हजार हेक्टेयर से गेहूं का रकबा बढ़कर 12 हजार हेक्टेयर से अधिक, बलरामपुर जिले में 9 हजार हेक्टेयर से बढ़कर 24 हजार हेक्टेयर तक पहुंच गया है। सरगुजा में भी गेहूं की बुआई का रकबा लगभग दोगुना हो गया है। रबी सीजन 2017-18 में सरगुजा जिले में 54 सौ 10 हेक्टेयर में गेहूं की खेती हुई थी, जो आज 12 हजार हेक्टेयर से अधिक हो गई है।

राज्य के बिलासपुर संभाग के जिलों में भी गेहूं की खेती के रकबे में भी तीन सालों में लगभग 30 हजार हेक्टेयर की बढ़ोत्तरी हुई है। मुंगेली जिले में गेहूं का रकबा लगभग ढ़ाई गुना बढ़ा है। यहां तीन साल पहले औसतन 5 हजार हेक्टेयर में गेहूं की खेती होती थी, जो आज बढ़कर 12 हजार हेक्टेयर से अधिक हो गई है। जांजगीर-चांपा जिले में भी गेहूं का रकबा लगभग 1500 हेक्टेयर से बढ़कर 7 हजार हेक्टेयर के करीब पहुंच गया है। रायगढ़ जिले में अब 18 हजार हेक्टेयर में गेहूं की खेती होने लगी है। तीन साल पहले तक रायगढ़ जिले में औसतन रूप से मात्र 3 हजार हेक्टेयर गेहूं की खेती होती थी।

छत्तीसगढ़ राज्य में वर्ष 2016-17 रबी सीजन में एक लाख 5 हजार 860 हेक्टेयर में, वर्ष 2017-18 में एक लाख 2 हजार 190 हेक्टेयर में, वर्ष 2020-21 में 2 लाख 27 हजार हेक्टेयर में गेहूं की खेती हुई थी, इस साल 2 लाख 77 हजार हेक्टेयर में गेहूं की बुआई की जा रही है।

हाइटेक संसाधनों के साथ बटेर पालन जैसे नये क्षेत्रों में कदम रख रहे गौठान के समूह

मात्र 1 लाख 25 हजार रुपये में इन्क्यूबेटर, ब्रूडर और केज के साथ तैयार हुआ बटेर यूनिट

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। इन्क्यूबेटर, इन्क्यूबेशन, ब्रूडर जैसी नई शब्दावली ग्रामीण महिलाओं की जुबान से ऐसे निकलती हैं जैसे हाइटेक संसाधनों के साथ वे बरसों से काम कर रही हों। खम्हरिया की महिलाओं ने बटेर पालन के क्षेत्र में कदम रखा है और परंपरागत रूप की बजाय वे अत्याधुनिक टेक्नालाजी से बटेर का पालन कर रही हैं। लगभग सवा लाख रुपए की लागत से इसका सेटअप तैयार किया गया है और 600 अंडों, 600 चूजों और 200 ब्रीडर से इसकी शुरूआत की गई है।

जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने गौठानों को ग्रामीण आजीविका केंद्र बनाने के निर्देश दिये हैं और हर गौठान में अलग तरह की आजीविकामूलक गतिविधि के संचालन के लिए कहा है। इसके अनुपालन में कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने इस संबंध में निर्देश दिये गये हैं कि जो कार्य समूह की महिलाएं करें, उनमें तीन तरह से सहायता उपलब्ध कराएं। पहले तकनीकी स्तर पर प्रशिक्षण ताकि इसके संबंध में उन्हें पूरी जानकारी हो, इसके बाद इसके लिए आवश्यक तकनीकी उपकरण ताकि वे हाइटेक उपकरणों के साथ बाजार में उतरे और इसके बाद उन्हें बाजार उपलब्ध कराना। ये तीनों चीजें हों तो प्रोडक्ट को जरूर सफलता मिलेगी।

आसपास के क्षेत्र और होटल व्यवसाय में बटेर की बढ़ती मांग को अवसर समझते हुए ग्राम खम्हरिया के गौठान में बटेर हैचरी यूनिट की शुरूवात की गई है। ग्राम्या उज्जवल महिला स्व सहायता समूह इस बटेर यूनिट का संचालन कर रही है। यहां बटेर की देसी वैरायटी केरी ब्राउन का उत्पादन किया जा रहा है। जिसमें स्वसहायता समूह की बहनों के सक्रिय भागीदारी के चलते गौठानों में होने वाले नवाचार आज वृहद स्तर पर फल-फूल रहे है।

पिंजरा विधि से 10 फीसदी अंडे के उत्पादन में होती है वृद्धि - पिंजरे में 3:1 में मादा व नर बटेर को रखा जाता है। जिससे एक सीमित दायरे में नर और मादा के होने से प्रजनन दर बेहतर रहता है। पिंजरे में अंडे के क्षतिग्रस्त होने की संभावना न के बराबर रहती है, जिससे अंडे के उत्पादन में 10 फीसदी तक की वृद्धि प्राप्त होती है। बटेर के चारे पानी व अंडे के संग्रहण लिए अटैचमेंट लगाए गए हैं। बटेर के 2 सप्ताह हो जाने के बाद उन्हें व्यवसायिक अंडों के लिए पिंजरे में रखा जाता है।

बटेर पालन से मिलेगा तीन गुना ज्यादा लाभ -स्व सहायता समूह को प्रशिक्षण देने वाले सहायक पशु चिकित्सक क्षेत्राधिकारी श्री मोहित कामले ने बताया कि बटेर पालन में कम जोखिम उठाकर बेहतर मुनाफा कमाया जा सकता है। बटेर के अंडो का साईज छोटा होने के कारण हम इन्क्यूबेटर मशीन में ज्यादा अंडे डाल सकते हैं। एक ट्रे में 95 अंडे आते हैं और इन्क्यूबेटर मशीन में मुर्गी के अंडों से तीन गुना ज्यादा बटेर के अंडों को तुलनात्मक रूप से रखा जा सकता है। यदि हम मुर्गियों के साथ इसका तुलनात्मक रूप से अध्ययन करें तो बटेर के लिए कम स्थान की आवश्यकता होती है और यह मात्र 35 दिन में मार्केट के लिए तैयार हो जाता है अर्थात एक ही सेटअप में यदि हम क्रमागत रूप से मुर्गी पालन और बटेर पालन करें तो बटेर से हमें तीन गुना ज्यादा लाभ भी मिलेगा।

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री ने एशिया के सबसे बड़े ओखला स्थित 564 एमएलडी क्षमता वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण की प्रगति का निरीक्षण किया

दिसंबर, 2022 के बाद दिल्ली की यमुना नदी में निश्चित रूप से जल की गुणवत्ता में सुधार महसूस होगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली(पीआईबी)। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने 564 एमएलडी क्षमता के ओखला सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। यमुना कार्य योजना-III के अंतर्गत इस ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए केन्द्र सरकार द्वारा धन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। केन्द्रीय मंत्री सबसे पहले आईटीओ स्थित छठ घाट गए और वहां से नाव से 12 किलोमीटर दूर ओखला वोट क्लब पहुंचे। फ़िर श्री शेखावत सड़क मार्ग से ओखला एसटीपी स्थल पहुंचे।

गंगा की सफाई के लिए राष्ट्रीय मिशन के महानिदेशक श्री जी. अशोक कुमार भी निरीक्षण के दौरान उपस्थित थे। लागत साझा करने की व्यवस्था के अनुसार 85 प्रतिशत लागत का वहन नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत केन्द्र सरकार को और 15 प्रतिशत लागत वहन राज्य सरकार को करना है। ओखला एसटीपी परियोजना की कुल स्वीकृत लागत 665.78 करोड़ रुपये है। श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि दिल्ली में स्थिति पर विचार करते हुए और दिसंबर, 2022 की समय सीमा को ध्यान में रखते हुए एसटीपी कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि दिसंबर, 2022 के बाद दिल्ली की यमुना नदी में निश्चित रूप से जल की गुणवत्ता में सुधार महसूस किया जाएगा।

ओखला एसटीपी एशिया में सबसे बड़ा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट है। 564 एमएलडी के इस प्लांट के निर्माण के बाद यमुना नदी के जल की गुणवत्ता में काफी सुधार होगा। यह एकीकृत परियोजना है इसलिए इसके कार्य के दायरे में गाद प्रबंधन को भी शामिल किया गया है। इसके अनुसार पर्यावरण संबंधी विषयों को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक तरीके से गाद का उचित निपटान किया जाएगा।

वर्तमान में दिल्ली में नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत 1268 एमएलडी गंदा जल शोधन के लिए कुल 11 परियोजनाएं 2009 करोड़ रुपये की लागत से एनएमसीजी द्वारा यमुना नदी संरक्षण के लिए शुरू की गई हैं। इन परियोनजाओं का उद्देश्य कोरोनोशन पिलर (कोरोनोशन पिलर एसटीपी पूर्ण) कोंडली-ओखला तथा रिठाला के जलग्रहण क्षेत्र में 1268 एमएलडी की कुल शोधन क्षमता का सृजन करना है। इन परियोजनाओं को दिसंबर, 2022 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

बसों का संचालन में सड़क सुरक्षा के निर्देशो का पालन पर जोर

बलौदाबाजार में बस मालिकों तथा संचालकों की बैठक सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बसों की संतुलित गति से संचालन के संबंध में जिला परिवहन अधिकारी बलौदाबाजार द्वारा बस मालिकों और टेऊव्हल्स कम्पनी के संचालकों की गत दिवस मंगलवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में बस मालिकों और संचालकों से बसों का संचालन निर्धारित गति में करने का आग्रह किया गया।

जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि बस को संतुलित गति से चलाने से ना केवल यात्रियों को सुविधा होती है बल्कि गाड़ी में ईंधन की खपत भी कम होती है। उन्होंने बताया कि बसो के संचालन में सुप्रीम कोर्ट के द्वारा गठित सड़क समिति के निर्धारित समस्त मार्गदर्शी सिद्धांत और दिशा निर्देश का पालन करना आवश्यक है।

राज्य स्तर से भी सड़क सुरक्षा के निर्देश प्रसारित किए जाते है। सड़क सुरक्षा को अपना कर ही हम रोड ऐक्सिडेंट को कम कर सकते है और इससे होने वाली जान माल की हानि को रोक सकते है। सड़क सुरक्षा के बारे में यदि में ध्यान देंगे और सभी गाड़ी के ड्राइवर्स को भी अवगत कराएँगे तो जान माल की हानि रोकी जा सकती है।

ज़िला परिवहन अधिकारी ने यह भी बताया कि सड़क सुरक्षा सभी का सामाजिक उत्तरदायित्व है, जिसमें परिवहन विभाग के साथ सभी के सहयोग की अपेक्षा है। बस संचालको की माँग के अनुसार जिला परिवहन अधिकारी के द्वारा बस के ड्राइवरों के लिए हेल्थ कैम्प लगाकर जाँच कराने हेतु पहल की गई।

सुपेबेड़ा में शिविर लगाकर किडनी रोग के पीड़ितों का किया गया इलाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गरियाबंद जिले के सुपेबेड़ा में आज शिविर आयोजित कर किडनी रोग से पीड़ितों का इलाज कर दवाईयां दी गईं। शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय रायपुर के विशेषज्ञों और गरियाबंद जिले के आयुर्वेद विशेषज्ञों ने सुपेबेड़ा स्थित उप स्वास्थ्य केन्द्र में आयोजित चिकित्सा शिविर में सुपेबेड़ा और आसपास के गांवों के किडनी रोग से पीड़ितों का परीक्षण कर उपचार किया। सभी मरीजों को दवाईयां भी दी गईं।

आयुर्वेद चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. रंजीत कुमार दास, डॉ. एस.डी. खिचारिया, डॉ. मनीष पटेल और डॉ. राजकुमार कन्नौजे ने शिविर में मरीजों का इलाज किया। सुपेबेड़ा और आसपास के गांवों के किडनी रोग से पीड़ितों के उपचार के लिए अब हर बुधवार को सुपेबेड़ा में शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में पंचकर्म विशेषज्ञ चिकित्सक, आयुर्वेद चिकित्सक एवं फार्मासिस्ट भी मौजूद रहेंगे। शिविर में मरीजों का त्वरित उपचार कर निःशुल्क दवाईयां दी जाएंगी। आवश्यकता होने पर उच्च स्तरीय उपचार के लिए मरीजों को रिफर भी किया जाएगा।

आयुर्वेद चिकित्सा विशेषज्ञों ने शिविर में ग्रामीणों को बताया कि किडनी को स्वस्थ रखने और कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए आयुर्वेद वनस्पतियों गोक्षुर, पुनर्नवा, आंवला, मुलेठी, गुग्गुल आदि का प्रयोग करना चाहिए। रोजाना के आहार में आंवला, जौ, मूंग आदि को शामिल करने या इनके नियमित सेवन से किडनी की व्याधियों से बचा जा सकता है। विशेषज्ञों ने भोजन में अत्यधिक मिर्च-मसाला, इमली आदि खट्टे पदार्थों का अधिक व लगातार सेवन नहीं करने की सलाह दी।

खास-खबर

दो ट्रेलर वाहन में जोरदार टक्कर, स्टेरिंग में फंसा चालक

बिलासपुर (ए)। मंगलवार की रात रतनपुर के रानी गांव के पास मुख्य सड़क मार्ग में दो ट्रेलर वाहन का आमने-सामने टक्कर हो गई। घटना से एक वाहन का चालक स्टेरिंग में फंस गया। उसे गंभीर चोटे आई है। पुलिस की डायल 112 की टीम ने घायल चालक को स्टेरिंग से सुरक्षित बाहर निकाल कर रतनपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। रतनपुर मार्ग में रोजाना हजारों की संख्या में कोयला लोड भारी वाहनों का आना जाना होता है। जिससे हमेशा दुर्घटनाएं होती रहती है। मंगलवार की रात ट्रेलर चालक चालक तेज रफ्तार से चलाते हुए रतनपुर की ओर जा रहा था। रात 11.30 बजे रानी गांव के पास पहुंचा था। इसी दौरान विपरित दिशा से दूसरा ट्रेलर वाहन का चालक तेज रफ्तार से चलाते हुए आ रहा था। अनियंत्रित होकर दोनों वाहनों का आमने-सामने जबरदस्त टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक वाहन का चालक स्टेरिंग में फंस गया। दूसरा वाहन चालक मौके से फरार हो गया। इसी दौरान आने जाने वालों ने पुलिस की डायल 112 को सूचना दी।

दो मोटरसाइकिल की टक्कर चालक घायल

बिलासपुर (ए)। चकरभाठा क्षेत्र में तेज रफ्तार दो मोटरसाइकिल की आमने सामने भिड़ंत हो गई। जिससे एक चालक का पैर फैक्कर हो गया है। पुलिस की डायल 112 के स्टाफ ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया है। सकरी के रहने वाले सुखनंदन निर्मलकर(35) मोटर साइकिल से ग्राम कढ़ार के तरफ जा रहा था।

लाखों रुपये की ठगी करने वाले एनआईसीएल चिटफंड कंपनी के छह गिरफ्तार

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ में चिटफंड कंपनी में कई पीड़ितों को लुभावनी स्कीम का झांसा देकर कंपनी में लाखों रुपये निवेश कराने वाले छह आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना नेवरा क्षेत्र के तिल्दा गांव स्थित एक मकान में एनआइसीएल नामक चिटफंड कंपनी का कार्यालय खोला गया था।

मामला वर्ष 2017 का है। इन आरोपितों के खिलाफ देश के कई राज्यों के जिलों में ठगी के कई प्रकरण दर्ज हैं। सभी आरोपित वर्तमान में सीबीआइ भुवनेश्वर ओडिशा में दर्ज ठगी के प्रकरण में भुवनेश्वर जेल में निरूद्ध थे। बता दें कि आरोपितों को भुवनेश्वर (ओडिशा) जेल से प्रोडक्शन वारंट में रायपुर लाया गया है। जानकारी के मुताबिक प्रार्थी कुलेश्वर प्रसाद साहू समेत कई अन्य पीड़ितों ने वर्ष 2017 में थाना नेवरा में रिपोर्ट दर्ज कराया गया था! दर्ज रिपोर्ट में उल्लेखित है कि थाना नेवरा क्षेत्रांतर्गत ग्राम तिल्दा स्थित एक मकान में एनआइसीएल नामक चिटफंड कंपनी का कार्यालय था, जिसके कई मैनेजरों और डायरेक्टरों द्वारा पीड़ितों को लुभावनी स्कीम का झांसा देकर कंपनी में लाखों रुपये निवेश कराकर आरोपित ने पीड़ितों को रकम वापस न कर चिटफंड कंपनी को बंद कर रकम लेकर फरार हो गए थे। इस पर आरोपितों के खिलाफ थाना नेवरा में अपराध पंजीबद्ध किया गया था।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन और थाना प्रभारी नेवरा के नेतृत्व में नेवरा पुलिस की टीम लगातार इन आरोपितों की तलाश कर रही थी। इस बीच पता चला कि इन प्रकरणों में संलिप्त आरोपित अभिषेक सिंह चैहान, हरिश शर्मा, प्रबल प्रताप सिंह, निरंजन सक्सेना, आशीष चैहान एवं लखन सोनी, जो सीबीआई भुवनेश्वर (ओडिशा) के प्रकरण क्रमांक 35/14 धारा 420, 409, 120बी भादवि. एवं 4, 5, 6 पीसी और एमसी एक्ट में स्पेशल जेल भुवनेश्वर (ओडिशा) में निरूद्ध है। जिस पर थाना नेवरा पुलिस की टीम द्वारा उक्त आरोपियों को भुवनेश्वर (ओडिशा) जेल से प्रोडक्शन वारंट में गिरफ्तार कर रायपुर लाकर आरोपियों के विरूद्ध अग्रिम कार्रवाई किया गया। आरोपितों के विरूद्ध देश भर के कई राज्यों के जिलों में भी ठगी के अनेकों अपराध पंजीबद्ध है।

गिरफ्तार आरोपितों में अभिषेक सिंह चौहान पुत्र आनंद सिंह चैहान उम्र साल निवासी आवास कालोनी काला पीपल मण्डी थाना काला पीपल जिला साजापुर मध्य प्रदेश। हरिश शर्मा पुत्र अशोक शर्मा उम्र 35 साल निवासी मकान नंबर 96 आवास कालोनी काला पीपल मण्डी थाना काला पीपल जिला साजापुर म॰?य प्रदेश। प्रबल प्रताप सिंह पुत्र बदन सिंह यादव उम्र 40 साल निवासी सात माई की गोठ माधोगंज लस्कर थाना माधोगंज जिला ग्वालियर मध्य प्रदेश। निरंजन सक्सेना पुत्र अशोक सक्सेना उम्र 45 साल निवासी गोमटी कालोनी नेहरू नगर थाना नेहरू नगर जिला भोपाल मध्य प्रदेश। हाल पता- आधुनिक गृह निर्माण सोसायटी सूरज नगर भोपाल थाना रातीबड़ जिला भोपाल म॰?य प्रदेश। आशीष चैहान पुत्र आनंद सिंह चैहान उम्र 38 साल निवासी आवास कालोनी काला पीपल मण्डी थाना काला पीपल जिला साजापुर मध्य प्रदेश। हाल पता-प्रताप कालोनी थाना बोरखेड़ा जिला कोटा राजस्थान। लखन सोनी पुत्र जगदीश प्रसाद सोनी उम्र 37 साल निवासी मकान नंबर 59 कर्मचारी कालोनी काला पीपल मण्डी थाना काला पीपल जिला साजापुर मध्य प्रदेश।

ऑनलाइन एप और बाइक पर घूमकर आईपीएल क्रिकेट मैच पर सट्टा खिलाते चार गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में अलग-अलग जगहों पर चार आरोपितों को सट्टा खिलाते एंटी क्राइम और साइबर यूनिट पकड़ा है। बुधवार की रात अलग-अलग क्षेत्रों में आईपीएल मैच में सट्टा खिलाने वाले चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार राजधानी रायपुर के डीडी नगर थाना क्षेत्र के गोल चौक स्थित एक पान दुकान से परमानंद सिन्हा को टीम ने पकड़ा गया। वह लाइन लेकर सट्टा संचालित कर रहा था। मोबाइल फोन में स्काई एक्सचेंज और एप के माध्यम से लाइन लेकर सट्टा संचालित कर रहा था। आरोपित के पास से एक नग मोबाइल और नकदी दो हजार रुपये जब्त किया गया है।

वहीं चार पहिया वाहन में घूम-घूम कर सट्टा संचालित करते दुर्ग के दो सटोरिए को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित रोशन लाल देवांगन और एकांश को पुलिस ने तेलीबांधा थाना क्षेत्र से पकड़ा है। इनके पास से दो मोबाइल , 10 हजार रुपये और एक कार जब्त की गई है। तेलीबांधा इलाके से ही एप के जरिए सट्टा खिला रहे आरोपित आकाश मंगवानी को गिरफ्तार कर जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

मकान में जा घुसी कार, 2 की मौत

बाइक सवार को बचाने के चक्कर में ब्रेक फेल, फिर पैदल चल रहे युवक को रौंदते हुए निकली गाड़ी

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में तेज रफ्तार कार का अचानक ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित कार मकान में जा घुसी। इस दौरान दो लोगों की मौत हो गई और चालक समेत दो लोग घायल हो गए। दरअसल ब्रेक फेल होने से चालक ने कार को रॉन्ग साइड में घुसा दिया और पैदल चल रहे युवक को रौंद दिया। कार के सामने सीट पर बैठे युवक की मौत हो गई। वहीं, चालक समेत एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा कोनी थाना क्षेत्र में हुआ है।

जानकारी के अनुसार सिविल लाइन थाना क्षेत्र के बृहस्पति बाजार के पास रहने वाले प्रेम ध्रुव पिता रामकृष्ण ध्रुव के घर में शादी होने वाली है। जिसके लिए वह अपने दोस्त तुषार यादव पिता रामकृष्ण यादव को लेकर कोनी क्षेत्र के ग्राम घुटकू में डीजे बजाने वाले युवक राहुल यादव के पास दोनों कार में सवार होकर बुकिंग कराने गए थे। सौदा तय होने के बाद वे राहुल यादव को साथ लेकर बिलासपुर अपने घर लौट रहे थे। तभी रास्ते में यह हादसा हो गया।

बाइक सवार को बचाने के चलते हादसा

कोनी टीआई सुनील तिर्की ने बताया कि कार सवार तीनों युवक बिलासपुर आ रहे थे। दोपहर करीब 12 बजे उनकी कार ग्राम निरतू के पास पहुंची थी। तभी सामने आ रहे बाइक सवार को बचाने के चक्कर में चालक प्रेम ध्रुव ने कार को रॉन्ग साइड में घुसा दिया। कार की रफ्तार तेज थी। पहले उसने पैदल चल रहे जीतू यादव पिता स्व. रमेश यादव (22 साल) को रौंद दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद उन्होंने खड़ी बाइक को टक्कर मार दी। फिर अनियंत्रित कार मकान में जा घुसी। इस घटना में कार के सामने सीट पर बैठे तुषार यादव पिता रामकृष्ण यादव की भी मौत हो गई। वहीं, चालक प्रेम ध्रुव और पीछे बैठे राहुल यादव गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्हें इलाज के लिए सिम्स में भर्ती कराया गया है।

क्रेन की मदद से निकाली गई कार

इस हादसे के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। दरअसल, कार नाली से टकराने के बाद मकान में घुस गई थी। इसके चलते कार को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस ने क्रेन मंगाकर कार को बाहर निकलवाया और उसे जब्त कर थाने ले आई।

गांजा तस्करी पर पुलिस की कार्रवाई, 12 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

रायपुर (ए)। रायपुर पुलिस ने बुधवार को गांजा की तस्करी के दो अलग-अलग मामलों में 2 अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के पास से करीब 12 किलो गांजा जब्त किया है।

थाना पुरानी बस्ती क्षेत्रांतर्गत भाठागांव स्थित अंग्रेजी शराब दुकान के सामने एक व्यक्ति अपने पास बैग में गांजा रखा है तथा कहीं जाने की फिराक में है। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पश्चिम आकाश राव गिरिपुंजे एवं नगर पुलिस अधीक्षक पुरानी बस्ती राजेश चौधरी द्वारा थाना प्रभारी पुरानी बस्ती बृजेश तिवारी को आरोपी को गांजा के साथ रंगे हाथ पकड़ने के लिए निर्देशित किया गया। जिस पर थाना प्रभारी पुरानी बस्ती के नेतृत्व में थाना पुरानी बस्ती पुलिस की टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के व्यक्ति की पतासाजी करते हुए व्यक्ति को चिन्हांकित किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा व्यक्ति से बातचीत करने पर वह भागने का प्रयास करने लगा जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम पार्था मंडल निवासी मलकानगिरी (ओड़िसा) का होना बताया।

टीम के सदस्यों द्वारा उसके पास रखें बैग की तलाशी लेने पर बैग में गांजा रखा होना पाया गया। जिस पर आरोपी पार्था मंडल को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 05 किलोग्राम गांजा कीमती लगभग 50,000/- रूपये जब?त कर आरोपी के विरूद्ध थाना पुरानी बस्ती में अपराध क्रमांक 130/22 धारा 20बी नारकोटिक्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर अग्रिम कार्यवाही किया गया।

इसी प्रकार की दरम्यानी रात्रि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना पुरानी बस्ती पुलिस की टीम द्वारा थाना पुरानी बस्ती क्षेत्रांतर्गत भाठगांव राधा स्वामी नगर स्थित सांई मंदिर पास गांजा की तस्करी करते चित्रकूट (उत्तरप्रदेश) निवासी आरोपी विनीत शुक्ला को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 06 किलो 700 ग्राम गांजा कीमती लगभग 67,000/- रूपये जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना पुरानी बस्ती में अपराध क्रमांक 131/22 धारा 20बी नारकोटिक्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर अग्रिम कार्यवाही किया गया।

शादी का झांसा देकर नर्स से दुष्कर्म

2 साल शोषण करता रहा, फिर मोबाइल बंद कर भाग निकला

भिलाई। दुर्ग जिले की एक नर्स से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। नर्स ने आरोप लगाया कि उसे उत्तर प्रदेश के बनारस जिले के रहने वाले लड़के से प्यार हो गया था। वह लड़का भिलाई में ही रहकर एक दुकान में काम करता था। लड़के ने नर्स से शादी करने का वादा किया। इसके बाद उसने दो सालों तक उसका शारीरिक शोषण किया और फिर भाग गया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

भिलाई नगर पुलिस ने बताया जुनवानी के अस्पताल में काम करने वाली युवती व पेशे से नर्स ने शिकायत दर्ज कराई है। उसने बताया कि साल 2019 में वह जुनवानी स्थित अस्पताल में नर्स का काम करती थी। वहीं पास स्थित एक दुकान में बनारस का रहने वाला मुकेश कुमार पटेल (30) काम करता था। नर्स का उस दुकान में आना जाना था। वहीं उसकी मुलाकात मुकेश हुई। धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत होने लगी।

फिर वह आपस में मोबाइल पर बात करने लगे। साल 2020 में आरोपी पीड़िता के घर सेक्टर-7 गया था। उस समय नर्स के घर में कोई नहीं था। युवक ने नर्स से शादी करने वादा किया और उसके साथ अनाचार किया। इसके बाद वह उसके साथ 2 सालों तक शारीरिक संबंध बनाता रहा। इस बीच जब नर्स ने शादी के लिए दबाव बनाना शुरू किया तो वह बिना बताए मोबाइल बंद करके बनारस भाग गया।

राज्य शासन ने पेश किया जवाब आज डिवीजन बेंच में होगी सुनवाई

बिलासपुर (ए)। रायपुर के कटोरा तालाब में कब्जे के खिलाफ कार्रवाई पर हाई कोर्ट की रोक और अपना पक्ष रखने के लिए जारी नोटिस मामले में राज्य शासन और रायपुर नगर निगम ने हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच के समक्ष जवाब पेश कर दिया है। गुरुवार को मामले में सुनवाई होगी। रायपुर निवासी दयानंद शर्मा की याचिका पर बीते मंगलवार रात नौ बजे कोर्ट में वर्चुअल सुनवाई हुई। इस दिन याचिकाकर्ता के वकील के अलावा रायपुर नगर निगम और शासन के वकील वर्चुअल शामिल हुए और जवाब भी पेश किया।

मामले की प्रारंभिक सुनवाई के बाद कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को राहत देते हुए निगम की तोड़फोड़ की कार्रवाई पर रोक लगाते हुए अगली सुनवाई के लिए गुरुवार की तिथि तय की थी। इस बीच राज्य शासन व रायपुर निगम को जवाब पेश करने कहा था। कोर्ट के निर्देश पर शासन व निगम ने अपने वकील के जरिये जवाब पेश कर दिया है।

दयानंद शर्मा व अन्य से कटोरा तालाब स्थित सरकारी जमीन पर कब्जा कर मकान बना लिए हैं। बीते 30 वर्षों से इनका कब्जा है। सड़क चौड़ीकरण के लिए निगम ने अतिक्रमणकारियों को वर्ष 2016 में बेदखली नोटिस जारी किया था। निगम के नोटिस को चुनौती देते हुए दयानंद व अन्य ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने स्थगन आदेश जारी कर दिया था। कोर्ट ने विवादित जमीन की वास्तविक स्थिति की जानकारी लिए निगम को सीमांकन कराने की छूट दी थी।

खास - खबर

आंबेडकर नगर में भारतीय जनता पार्टी का 42 वां स्थापना दिवस केक काटकर मनाया गया

भिलाई। अम्बेडकर नगर युवा शक्ति ने रोशन नंदेश्वर के नेतृत्व में वार्ड 15 अंबेडकर नगर में भारतीय जनता पार्टी के 42 वा स्थापना दिवस पार्षद संतोष मौर्या के मुख्य अतिथि की उपस्थिति में केक काटकर एवं भारतीय जनता पार्टी के नारे लगा कर मनाया गया इस अवसर पर पार्षद संतोष मौर्या ने कहां की भारतीय जनता पार्टी ने मेहनत करके जनता के दिलों में एक अलग पहचान बनाई है आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी उन्होंने कहा कि पार्टी में निष्ठावान कार्यकर्ताओं का सदैव सम्मान करती है जिसका उदाहरण वो स्वंय है उन्होंने बताया कि पार्टी से उन्हें बहुत सम्मान मिला पार्टी ने उनको अम्बेडकर नगर से प्रत्याशी बनाया और पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मिलकर उन्हें विजय दिलाई। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं पर आभार व्यक्त कर सभी का धन्यवाद दिया एवं सभी बीजेपी के कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

वन टाइम यूज प्लास्टिक मिलने पर होगी कार्यवाही

रिसाली। थ्री स्टार रैकिंग के बाद नगर पालिक निगम रिसाली इस बार फाइव स्टार रैकिंग की दौड़ में शामिल हैं आयुक्त आशीष देवांगन इसके लिए मुख्य रूप से शहर को पॉलीथिन से मुक्त कराने फोकस कर रहे है। प्रतिबंधित वन टाइम यूज कैरीबैग का उपयोग करने वालों पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए है। आयुक्त ने कार्यवाही करने अलग-अलग टीम गठित किया है। उन्होंने कहा है कि प्रत्येक व्यापारी वर्ग इस अभियान में सहयोग करे। प्रतिष्ठान के बाहर तख्ती अवश्य लगवाए कि वे वन टाइम यूज कैरीबैग व प्लास्टिक का सामान नहीं बेच रहे है। बोर्ड लगा होने पर निगम के कर्मचारी उस प्रतिष्ठान की जांच नहीं करेंगे। इससे समय की न केवल बचत होगी, बल्कि फाइव स्टार रैकिंग के लिए एक सार्थक प्रयास होगा। आयुक्त ने निर्देश दिए है कि कोई भी व्यापारिक प्रतिष्ठान संचालक अगर वन टाइम यूज प्लास्टिक कैरीबैग रखते या उपयोग करते पाए गए तो उससे अर्थदण्ड वसूले।

आयुक्त प्रकाश सर्वे ने निरीक्षण कर जायजा लिया

भिलाई निगम क्षेत्र की व्यवस्तम नेहरू नगर चौक की सिंग्नल व्यवस्था हुई बहाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महीनों से बंद पड़ी नेहरू नगर चौक की सिंग्नल अब अपने पुराने स्वरूप में आ गई है। इस सिंग्नल लाइट के बंद होने से आम राहगीरों व वाहन चालकों को काफी परेशानी हो रही थी। समय-समय पर विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से इसे चालू करने के लिए आवाज उठाई जा रही थी। भिलाई नगर निगम क्षेत्र की जनता भी इसे सुधारकर शुरू करवाने के लिए महापौर नीरज पाल व निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे से गुहार लगा रहे थे।

जनमानस की मांग को निगम आयुक्त ने गंभीरता से लिया। वहीं महापौर नीरज पाल के निर्देश के बाद आयुक्त सर्वे ने पुलिस ट्रेफिक्र विभाग सहित तकनीकी विभाग को इसके संधारण के लिए निर्देश दिया। परिणामस्वरूप सिंग्नल की खामियों में सुधार कर दुरूस्त किया गया।

निगम आयुक्त ने मंगलवार की शाम साढे छः बजे नेहरू नगर चौक की फेर फेस सिंग्नल को चालू कराया। इसे शुरू कराने में अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी की सराहनीय भूमिका रही।

सिग्नल बंद होने की जानकारी कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भूरे के भी संज्ञान में था। डॉ. भूरे ने निगमायुक्त प्रकाश सर्वे को इस व्यवस्तम चौक में सिंग्नल को जल्द सुचारू रूप से चालू कराने के निर्देश दिए थे। आयुक्त सर्वे ने कहा कि सिंग्नल बंद पड़ी थी, जिसकी वजह से वाहन चालकों सहित राहगीरों को आवागमन करने में दिक्कत हो रही थी, जिसको देखते हुए निगम आयुक्त ने जल्द से जल्द सिग्नल चालू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए थे। अब सिग्नल चालू हो गया है, इसके शुरू होने से निगम क्षेत्र की जनता सहित नेशनल हाईवे पर आवागमन करने वालों ने राहत की सास ली। उन्होंने ट्रेफिक्र सहित तकनीकी विभाग को निर्देश दिए हैं कि इसके रखरखाव पर विशेष ध्यान देवें क्योंकि सिंग्नल के खराब होने से ट्रेफिक्र व्यवस्था पूरी तरह गड़बड़ा जाती है। उन्होंने अधिकारियों को इसके समय-समय पर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान निगम उपायुक्त सुनील अग्रहरि व अजय शुक्ला सहित अन्य अधिकारी/कर्मी मौजूद थे।

मालिकाना हक दिलाने निगम कर रहा सर्वे, रजिस्ट्री कराने 30 लोगों ने जमा कराया सहमति पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। पट्टाधारी आवास मालिकों को भूमि का मालिकाना हक दिलाने निगम के कर्मचारी सर्वे कर रहे है। अब तक 30 लोगों ने गाइड लाइन से रियायत दर पर रजिस्ट्री कराने सहमति भी दे चुके है। वहीं बचे हुए लोगों से संपर्क कर निगम के कर्मचारी योजना के बारे में न केवल जानकारी दे रहे है बल्कि रजिस्ट्री कराने प्रोत्साहित कर रहे है।

नगर पालिक निगम रिसाली के आयुक्त आशीष देवांगन ने पट्टाधारियों से कहा है कि जमीन का मालिकाना हक लेने वे सहमती पत्र सीधे कार्यालय में जमा कर सकते है। हितग्राही राजस्व विभाग में अधिकारियों से संपर्क कर विस्तृत जानकारी ले सकते है। आयुक्त ने बताया कि वर्तमान में निगम के कर्मचारी डोर-टू-डोर संपर्क कर रहे है। अधिकांश पट्टाधारी श्रमिक वर्ग के है। सुबह से वे मजदूरी करने निकल जाते है। ऐसे लोग सीधे वार्ड पार्षद से संपर्क कर कार्यालय पहुंचकर योजना का लाभ लेने सहमति पत्र दे सकते है, ताकि रजिस्ट्री कराने की कार्यवाही में तेजी लाई जा सके।

राजस्व विभाग प्रभारी हरचरण सिंह अरोरा ने बताया कि रिसाली नगर पालिक निगम क्षेत्र में योजना के तहत 1448 लोगों को पट्टा मिला है। राज्य सरकार पट्टाधारियों को रजिस्ट्री करवा कर मालिकाना हक दे रही है।

इसके लिए उन्हे रजिस्ट्री गाइड लाइन में दर्शित दर के हिसाब से केवल 22 प्रतिशत राशि जमा करनी होगी। आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि कई ऐसे लोग है जो दूसरे का पट्टा खरीदकर आवास में रह रहे है। सरकार ऐसे लोगों को भी अवसर दे रही है।

मुख्यमंत्री से छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स के पदाधिकारियों ने की सौजन्य मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से यहां उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इण्डस्ट्रीज के अध्यक्ष अमर परवानी के साथ आए इण्डस्ट्रीज के अन्य पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की।

उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष होलसेल कॉरीडोर परिकल्पना का प्रस्तुतिकरण दिया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इण्डस्ट्रीज के महासचिव अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, प्रोजेक्ट मैनेजर मनीष पिल्लेवार, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, मनमोहन अग्रवाल एवं राम मांध्यान मौजूद थे।

प्रहलाद पटेल का दो दिवसीय दौरे पर, श्रीराम जन्मोत्सव समिति ने किया स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण एवं जलशक्ति राज्यमंत्री प्रहलाद सिंह पटेल दो दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ पहुंचे। जहां मंगलवार को रायपुर माना विमानतल पर श्रीराम जन्मोत्सव समिति के युवा शाखा अध्यक्ष मनीष पाण्डेय के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

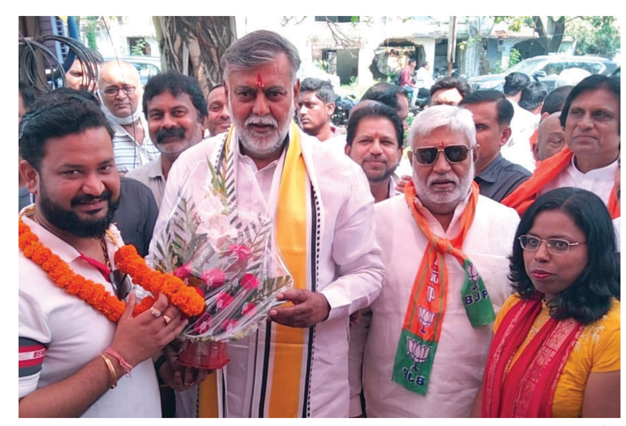

इसी क्रम में कुम्हारी, चरोदा, खुर्सीपार, पावर हाउस, सेक्टर 4 एवं सेक्टर 10 में समिति के कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। तत्पश्चात उनका आगमन पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय के सेक्टर 9 स्थित निवास में हुआ। जहां उन्होंने समिति के कार्यकर्ताओं से भेंट की एवं रात्रि विश्राम किया। भिलाई प्रवास के दौरान उन्होंने श्रीराम जन्मोत्सव समिति द्वारा धर्म जागरण और सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के लिए किये जा रहे कार्यों पर समिति की प्रशंसा करते हुए कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया।

माधुर्य ही सर्वश्रेष्ठ भाव है: गोपिकेश्वरी देवी

भिलाई। प्रवचन के समापन पर देवी जी ने भक्ति तत्त्व पर विचार करते हुए आगे बताया की चार भाव हैं भगवान से प्यार करने के; एक से एक ऊंचे दास्य भाव, सख्य भाव, वात्सल्य भाव, माधुर्य भाव । और देवी जी ने बताया कि माधुर्य ही सर्वश्रेष्ठ भाव है यानि भगवान हमारे प्रियतम हैं जीवात्मा उनकी प्रेयसी है; यही गोपी भाव है । इसी भाव से जीव को भगवान से प्यार करना चाहिए क्योंकि इस भाव में नीचे के समस्त भाव आ जाते हैं; भगवान् हमारे प्रियतम भी हैं, बेटे भी हैं, सखा भी हैं, स्वामी भी हैं ।और इस माधुर्य भाव में भी जो जीव भगवान् के सुख के लिए ही उनसे प्यार करता है वही जीव भगवान् के सर्वोच्च प्रेम प्राप्त करने का अधिकारी बनाता है।

बीएसपी ने 200 मिलियन टन संचयी स्टील उत्पादन कर ऐतिहासिक कार्य किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि वाला दिन था। इस दिन संयंत्र ने 200 मिलियन टन क्रूड स्टील उत्पादन कर ऐतिहासिक मील के पत्थर को पार किया। लगभग 63 वर्षों से देष की अधोसंरचना विकास के लिए इस्पात का उत्पादन करने वाले संयंत्रों के लिए, यह एक महत्वपूर्ण, गर्व और खुशी का दिन था।

पुराने स्टील मेल्टिंग शॉप-1, जिसे हाल के वर्षों में चरणबद्ध तरीके से बंद कर दिया गया है, ने उत्पादित कुल 200 मिलियन टन क्रूड स्टील में से 12,18,03,072 टन का उत्पादन किया है। भिलाई इस्पात संयंत्र की स्थापना के समय स्थापित स्टील मेल्टिंग शॉप-1 के पहले ओपन हर्थ फर्नेस को 12 अक्टूबर 1959 को प्रारंभ कर इस्पात के उत्पादन में लिया गया था।

स्टील मेल्टिंग शॉप-1 के ओपन हर्थ फर्नेस को बाद में ट्विन हर्थ फर्नेस से बदल दिया गया। स्टील मेल्टिंग शॉप-1 ने अगस्त 1988 में 50 मिलियन टन संचयी क्रूड स्टील का उत्पादन, 11 अगस्त 1999 में 75 मिलियन टन संचयी उत्पादन और 26 दिसंबर 2009 को 100 मिलियन टन संचयी उत्पादन का आंकड़ा पार किया। विदित हो कि स्टील मेल्टिंग शॉप-1 ने 10 अक्टूबर 2019 तक, अर्थात इसकी स्थापना से 60 वर्षों की यात्रा में कुल 121.46 मिलियन टन क्रूड स्टील का उत्पादन किया था।

स्टील मेल्टिंग शॉप-1 में उत्पादित क्रूड स्टील का उपयोग इंगट के उत्पादन के लिए किया जाता था इंगट का उपयोग आगे चलकर ब्लूमिंग और बिलेट मिल (बीबीएम) में बिलेट्स में रोल करने के लिए किया जाता था। बीबीएम में उत्पादित बिलेट्स का उपयोग प्लांट की मर्चेंट मिल्स और वायर रॉड मिल्स में टीएमटी बार और रॉड सहित मर्चेंट उत्पादों को रोल आउट करने के लिए किया जाता था। ब्लूमिंग और बिलेट मिल (बीबीएम) को भी आगे चलकर चरणबद्ध तरीके से बंद कर दिया गया है।

1980 के दशक में संयंत्र के 4 मिलियन टन विस्तारीकरण के दौरान स्टील मेल्टिंग शॉप-2 कॉनकास्ट तकनीक के साथ अस्तित्व में आई थी।

निगम के सभागार में जलजनित व मौसमी बीमारी से बचाव के लिए हुई बैठक

क्षेत्र की जनता से पानी छान व उबालकर पीने की अपील, मच्छरदानी का उपयोग से बचा सकता है मलेरिया से

सीपीएम तुषार वर्मा व हेल्थ ऑफिसर ने लू, मलेरिया व डेंगू जैसी बीमारी से बचाव के बताए उपाय

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई के सभागार में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत मौसमी व जलजनित बीमारी नियंत्रण एवं उनके रोकथाम के लिए आवश्यक बैठक बुलाई गई थी। महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने गर्मी में होने वाली बीमारियों से बचाव के सारे उपाय करने के निर्देश दिए हैं।

उनके अनुपालन में आज की बैठक में सीपीएम तुषार वर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा, सभी जोन के सुपरवाइजर, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, अनिल मिश्रा, वीके सैमुअल, महेश पांडेय व वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक के.के. सिंह मुख्य रूप से शामिल थे। बैठक में सीपीएम तुषार वर्मा ने इस भीषण गर्मी में जलजनित बीमारियों व लू से बचने के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने निगम क्षेत्र की जनता को इससे बचाव के लिए प्रेरणा देने कही। साथ ही यह भी बताया कि धूप में अपने घरों से बाहर निकलते समय लू से बचने के लिए गमछा व स्कार्प बांधकर निकलें व पानी पीकर निकलें। वहीं पानी को साफ्कर व छानकर पीए, ताकि पीलिया व डायरिया जैसे जलजनित बीमारियों से बचा जा सके। स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा ने मलेरिया व डेंगू जैसे जानलेवा बीमारियों से बचने के लिए रात में मच्छरदानी लगाकर सोने व घरों में लगे कूलरों में मच्छरों के लार्वा को नहीं पनपने देने के लिए कहा। उन्होंने निगम के कर्मियों को शाम के समय निरंतर फॉगिंग करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा की सभी को जलजनित बीमारियों से बचाव के उपायों को निगम क्षेत्र के हर जोन के वार्डों के घरों तक पहुंचाया जाना चाहिए। इसके बचाव के लिए लोगों को आवश्यक रूप से जागरूक करें। स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सा अधिकारियों ने इस बचाव के लिए बारी-बारी से अपने विचार व सुझाव रखें। निगम क्षेत्र के वार्डों में जलजनित बीमारियों के संभावित मरीजों की पहचान कर उपचार के लिए शीघ्र ही नजदीक के स्वास्थ्य केंद्रों में जाने के लिए प्रेरित किया। बीमारियों से संबंधित दवाइयां स्वास्थ्य केंद्रों में हमेशा उपलब्ध करवाने के लिए निर्देशित किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950